दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-21 अंक-276 | सीहोर, गुरूवार 26 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अटल जी की 100वीं जयंती पर देश की पहली केन-बेतवा राष्ट्रीय परियोजना का किया शिलान्यास

एक वर्ष में मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पूर्व की सरकारों ने बुंदेलखंड में सूखे की समस्या को दूर करने कोई स्थाई समाधान नहीं खोजा

भोपाल (ए) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले 1 वर्ष में मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। मध्यप्रदेश में हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत हुई है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के सपने को साकार करती हुई देश की पहली नदी जोड़ी परियोजना केन-बेतवा का आज यहाँ शिलान्यास हुआ है। इसके साथ ही देश के पहले फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट, ओंकारेश्वर का भी शिलान्यास हुआ है। इसके लिए मध्यप्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार और यहां की जनता को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत बुंदेलखंडी बोली में करते हुए कहा, वीरों की धरती ई बुंदेलखंड पे रहबे बारे सबई जनन खों हमाई तरफ से हाथ जोड़के राम-राम पौंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के विकास में अटल जी का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। वे सुशासन के प्रतीक थे। आज उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर उनकी स्मृति में मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सेवा सदन का निर्माण प्रारंभ हो रहा है, जिसकी पहली किश्त भी जारी की गई है। सुशासन हमारी सरकार की पहचान है। हमारे लिए जनहित, जनकल्याण और विकास सर्वोपरि है। हम जन सामान्य के लिए समर्पित हैं। आजादी के दीवानों ने देश के लिए अपना लहू बहाया था, हम उनके सपनों को पूरा करने के लिए पसीना बहाते हैं। अच्छी योजनाओं के साथ ही उन्हें लागू करना और उनका लाभ 100 प्रतिशत लाभार्थी तक पहुंचाना सुशासन का पैमाना है।

बुंदेलखंड क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली के द्वार खुलेंगे

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली के द्वार खुलेंगे। बुंदेलखंड क्षेत्र में बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष किया है, परंतु पूर्ववर्ती सरकारों ने जल संकट का कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला। आजादी के सात दशक बाद भी राज्यों के बीच नदियों के जल के लेकर विवाद चलते रहे, परंतु उन्हें दूर करने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। जब अटल जी की सरकार बनी तो उन्होंने नदी जोड़ो के रूप में इसका स्थाई हल निकाला और उसका कार्य भी शुरू कर दिया गया, परन्तु 2004 के बाद वह बंद कर दिया गया। आज अटल जी का नदी जोड़ने का सपना मध्यप्रदेश की भूमि पर साकार होने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल शक्ति और जल संसाधन के विकास के लिए लिए बाबा साहेब अंबेडकर के विजन और किए गए प्रयासों की सराहना भी की।

मां नर्मदा के आशीर्वाद से गुजरात का भाग्य बदला

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि जल समस्या 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है। वही देश आगे बढ़ेगा जिसके पास पर्याप्त जल और उसका उचित प्रबंध होगा। गुजरात में सूखा पड़ता था परंतु मां नर्मदा के आशीर्वाद से गुजरात का भाग्य बदल गया। मध्यप्रदेश ने सूखाग्रस्त गुजरात को जलयुक्त बनाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मैंने बुंदेलखंड की बहनों और किसानों से जो वादा किया था, आज मैं 45 हजार करोड़ रूपये की सिंचाई परियोजना के साथ उसे पूरा करने आया हूं। आज यहां दौधन बांध का शिलान्यास हुआ है। इससे जो नहर निकलेगी वो लगभग 11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई करेगी।

जल सुरक्षा और जल संरक्षण के रूप में याद किया जाएगा यह दशक

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में यह दशक जल सुरक्षा और जल संरक्षण के दशक के रूप में याद किया जाएगा। देश में पिछले सात दशक में सिर्फ 3 करोड़ परिवारों के पास नल से जल पहुंचता था। हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में 12 करोड नए परिवारों तक नल से जल पहुंचाया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए देशभर में 2100 वॉटर क्वालिटी लैब बनाए गए हैं और 25 लाख महिलाओं को शिक्षित किया गया है। शुद्ध पेयजल बीमारी से बचाव भी करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में 100 बड़ी सिंचाई परियोजनाएं अधूरी पड़ी थी, हमारी सरकार ने हजारों करोड़ रुपए खर्च करके उन्हें पूरा करवाया है। देश में आधुनिक तरीके से एक करोड़ हैक्टेयर भूमि में माइक्रो इरिगेशन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में पिछले 10 साल में 5 लाख हैक्टेयर भूमि में माइक्रो इरिगेशन हो रहा है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर देश के हर जिले में 75-75 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं। कैच द रेन अभियान के अंतर्गत 3 लाख से अधिक रिचार्ज वेल बनाए गए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में जहाँ-जहाँ भूजल स्तर कम था, वहाँ अटल भूजल योजना चलाई गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश के लिए आधुनिक भगीरथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खजुराहो (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश के संदर्भ में आधुनिक युग के भगीरथ हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राजा भगीरथ के प्रयासों से अवतरित हुई गंगा जी ने सभी को नया जीवन प्रदान किया था, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत में नए युग का सूत्रपात किया है। सकारात्मक सोच और प्रयासों से 10-12 साल में किस प्रकार परिस्थितियों में सुधार होता है, प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यकाल इसका श्रेष्ठ उदाहरण है और हम सब इसके प्रत्यक्षदर्शी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी प्रकार से संपन्न वीरों की भूमि बुंदेलखंड, सूखे से सदैव प्रभावित रहा। पिछली सरकारों ने बुंदेलखंड के विकास को प्राथमिकता नहीं दी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्षेत्र को सूखा मुक्त करने और जल की पर्याप्त व्यवस्था करने का सपना देखा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस सपने को धरातल पर उतारने की पहल की। केन बेतवा लिंक परियोजना के शुभारंभ के साथ ही कुछ दिन पहले 35 हजार करोड़ रूपए लागत की पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना का शुभारंभ ऐतिहासिक था। इन परियोजनाओं से चंबल, मालवा और संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र को पीने का पानी एवं सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी और उद्योग-धंधों को पानी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की बुंदेलखंड क्षेत्र में पूर्व में तीन यात्राएं हुईं। इन यात्राओं में उन्होंने बुंदेलखंड के कष्ट को समझा और आज क्षेत्र के लोगों को होली-दिवाली मनाने जैसी सौगातें प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सौगात के लिए प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में सदैव अटल में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बांग्लादेशी आतंकी संगठन शुभेंदु अधिकारी को बना सकता है निशाना, खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

कोलकाता (आरएनएस)। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल सरकार को विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) शुभेंदु अधिकारी पर संभावित आतंकी हमले के बारे में सचेत किया है।

यह हमला बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी संगठन के सहयोगियों द्वारा किया जा सकता है, जो पड़ोसी देश के साथ लगती सीमा के जरिए भारतीय क्षेत्र में पहले ही प्रवेश कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों की ओर से राज्य सचिवालय को भेजी गई दो सूचनाओं में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विपक्ष के नेता दो बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठनों जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के निशाने पर हैं।सूत्रों ने बताया कि खुफिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि विपक्ष के नेता को उन कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में निशाना बनाया जा सकता है, जिनमें वह रोजाना भाग ले रहे हैं।

संसद भवन के सामने शख्स ने खुद को आग लगाई

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली में नए संसद भवन के पास रेलवे भवन के सामने बुधवार दोपहर एक शख्स ने खुद को आग लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया।दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी के मुताबिक दोपहर 3.35 कॉल आई थी। इसमें युवक के आग लगाने की बात रही गई। इस पर हमने एक गाड़ी मौके पर भेजी। अधिकारी ने बताया कि संसद की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने व्यक्ति को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से 2 पेज का अधजला सुसाइड नोट, पेट्रोल, जला हुआ बैग और जूता मिला है। जिस जगह पर युवक ने खुद को आग लगाई, वहां बैरिकेडिंग की गई है। फिलहाल युवक की जानकारी सामने नहीं आई है।

डल्लेवाल का अनशन जारी, यूपी की खाप पंचायतों ने दिया आंदोलन को समर्थन

चंडीगढ़,(ए)। फसलों की एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा बार्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन बुधवार को जारी था। उनकी हालत गंभीर होती जा रही है। उनका वजन काफी कम हो गया है। वहीं उनकी ओर से पीएम नरेंद्र मोदी को एक और पत्र लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि आप कृषि विषय पर संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी गारंटी कानून बनाएं।दूसरी ओर किसान नेताओं ने दावा किया है कि यूपी की खाप पंचायतें भी किसान आंदोलन-2 के समर्थन में उतर आई हैं। वे 29 दिसंबर को बास हिसार में होने वाली खापों की महापंचायत का भी हिस्सा बनेंगी।

जयपुर में लाल चंदन की तस्करी का भंडाफोड़, 100 किलो लकड़ी जब्त

जयपुर, (आरएनएस)। कर्नाटक वन विभाग की सूचना पर राजस्थान वन विभाग ने जयपुर में लाल चंदन की अवैध तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए 100 किलो लकड़ी, चिप्स, बुरादा और तेल जब्त किया है। यह कार्रवाई जयपुर के शास्त्री नगर स्थित RSY Enterprises नामक फर्म पर की गई, जो दक्षिण भारत से चंदन की लकड़ी मंगवाकर कर्नाटक में अवैध रूप से भेजने के धंधे में शामिल थी।मुख्य वन संरक्षक, जयपुर, राजीव चतुर्वेदी ने बताया कि यह कार्रवाई वन्य उपज तस्करों के खिलाफ वन विभाग की सख्ती है। उन्होंने बताया कि फर्जी कागजात के सहारे चल रहे अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। चतुर्वेदी ने बताया कि कर्नाटक वन विभाग ने 19 दिसंबर 2024 को राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) को पत्र लिखकर जानकारी दी थी कि जयपुर की RSY Enterprises नामक फर्म अवैध रूप से चंदन की लकड़ी और उसके उत्पादों की आपूर्ति कर रही है। इस फर्म के खिलाफ ठोस कार्रवाई के लिए 23 दिसंबर को निर्देश दिए गए।

इसके बाद 24 दिसंबर को मुख्य वन संरक्षक जयपुर राजीव चतुर्वेदी के निर्देशन और उप वन संरक्षक, जयपुर, वी. केतन कुमार के नेतृत्व में वन विभाग ने फर्म के पते पर दबिश दी गई।

क्रिसमस के दिन गोवा में दिल दहलाने वाला हादसा, समुद्र में पलट गई पर्यटकों से भरी नाव, 20 लोग डूबे

पणजी (आरएनएस)। गोवा से इस समय बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां, कलंगुट समुद्र तट पर अरब सागर में एक पर्यटक नाव पलट गई। जानकारी के अनुसार इस हादसे में 20 लोग डूब गए जिन्हें मौका रहते बचा लिया गया जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इस घटना को लेकर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, जिस नाव में वे यात्रा कर रहे थे, उसके पलट जाने से 54 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 अन्य को बचा लिया गया तथा उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि दो यात्रियों को छोड़कर बाकी सभी ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। उन्होंने बताया कि यात्रियों में छह साल के बच्चे और महिलाएं शामिल थीं। सरकार द्वारा नियुक्त जीवन रक्षक एजेंसी दृष्टि मरीन के प्रवक्ता ने बताया कि नाव तटरेखा से करीब 60 मीटर दूर पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप सभी यात्री समुद्र के पानी में गिर गए। उन्होंने बताया कि नाव में सवार यात्रियों में महाराष्ट्र के खेड़ का 13 सदस्यों वाला एक परिवार भी शामिल था।

भूकंप के झटकों से दहले रोहतक और आसपास के जिले, लोगों में दहशत

रोहतक(आरएनएस)। हरियाणा के रोहतक और उसके आसपास के जिलों में बुधवार को दोपहर करीब 12:28 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग दहशत में अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। ये झटके करीब पांच सेकंड तक जारी रहे, और लोग एक-दूसरे को सचेत करते हुए सड़कों पर आ गए। रोहतक के सेक्टर-4 समेत अन्य इलाकों में लोग पार्कों और खुली जगहों पर इकट्ठा हो गए, ताकि सुरक्षित रह सकें। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि कई घरों और इमारतों में रखे सामान भी हिलते हुए दिखाई दिए। हालांकि, भूकंप के केंद्र और इसकी तीव्रता की अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

पुष्पा के निर्माताओं ने भगदड़ में जान गंवाने वाली महिला के परिवार को दो करोड़ रुपये दिए

हैदराबाद (ए)। अभिनेता अल्लू अर्जुन और फिल्म पुष्पा के निर्माताओं ने भगदड़ में जान गंवाने वाली महिला के परिवार को दो करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इस बीच, तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के

अध्यक्ष और प्रमुख निर्माता दिल राजू ने कहा कि सरकार और फिल्म जगत के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा दिए जाने के लिए फिल्म हस्तियों का एक प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से बृहस्पतिवार को मुलाकात करेगा। अल्लू अर्जुन के पिता और निर्माता अल्लू अरविंद, दिल राजू और अन्य लोगों ने निजी अस्पताल गए। भगदड़ में घायल हुए लड़के का इस अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों ने अल्लू अरविंद को बताया कि लड़के के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और अब उसे ऑक्सीजन और वेंटिलेटर सपोर्ट की जरुरत नहीं है। इसके बाद अरविंद ने राहत की सांस ली। अल्लू अरविंद ने घोषणा की कि लड़के के परिवार की मदद करने के वास्ते अल्लू अर्जुन ने एक करोड़ रुपये, फिल्म 'पुष्पा की प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने 50 लाख रुपये और फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी है।

एम्स के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अटलजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शिविर में पहले दिन 13,800 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी की 100वीं जयंती पर ग्वालियर में लगा मानव सेवा का मेला

भोपाल(निप्र) ।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अटल जी जब भारत के प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने दिल्ली के एम्स की तर्ज पर भोपाल सहित देश के अन्य राज्यों में एम्स खोलने की शुरूआत की थी, खुशी की बात है उसी भोपाल एम्स की टीम आज ग्वालियर में आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में जरूरतमंद मरीजों का इलाज करने आई है। यह अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को ग्वालियर के एलएनआईपीई में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की शताब्दी जयंती के अवसर पर एम्स के सहयोग से आयोजित हो रहे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उदघाटन कर संबोधित कर रहे थे ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य शिविर में बड़ी तादाद में आए मरीजों को ध्यान में रखकर कहा कि ग्वालियर में एम्स खोलने के लिये राज्य सरकार गंभीरता से पहल करेगी। साथ ही यह भी प्रयास किए जायेंगे कि प्रदेश के सरकारी मेडीकल कॉलेज एम्स की तरह स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हों। उन्होंने ग्वालियर में अटल जी की जयंती पर एम्स के सहयोग से विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की संरचना तैयार करने के लिये क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह की सराहना की। साथ ही चिकित्सकों की बड़ी टीम लेकर शिविर में आने के लिये एम्स प्रबंधन के प्रति भी आभार जताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पिछले 20 साल में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी विस्तार किया गया है। वर्ष 2003 तक प्रदेश में केवल 5 मेडीकल कॉलेज और प्रथम वर्ष में सीटों की संख्या मात्र 400 थी। वर्ष 2024 तक प्रदेश में मेडीकल कॉलेज की संख्या 50 हो गई है, जिनमें 17 सरकारी मेडीकल कॉलेज शामिल हैं। साथ ही एमबीबीएस प्रथम वर्ष में सीटों की संख्या 400 से बढ़कर 5 हजार हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी 55 जिलों में मेडीकल कॉलेज खोलने के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नए मेडीकल कॉलेज खोलने के साथ जिला चिकित्सालयों, प्राथमिक एवं सामुदायिक अस्पतालों को भी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित कर रही है। सरकार द्वारा एलोपैथी के साथ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक पद्धति को भी बढ़ावा दिया जा रहा है ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शुभारंभ कर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा आयुष्मान भारत योजना में अब 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जन-प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना से जुड़वाएं, जिससे उन्हें भी 5 लाख रूपए तक निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल सके।

मध्यप्रदेश की बेटियों ने 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में जीते 4 पदक

भोपाल (आरएनएस)। 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप 2024 में मध्यप्रदेश की बेटियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। इस गौरवशाली उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 50 मीटर राइफल जूनियर महिला सिविलियन टीम, टीम सदस्य॰ योगेश्वरी बाईस, शरण्या लखन, खुशी सिंह ने गोल्ड, 50 मीटर राइफल जूनियर महिला ढ्ढस्स्न्न व्यक्तिगत नुपुर कुमरावत ने सिल्वर, 50 मीटर राइफल सीनियर महिला ढ्ढस्स्न्न टीम टीम सदस्य॰ आशी चौकसे, नुपुर कुमरावत, सुमन चौहान ने सिल्वर, 50 मीटर राइफल जूनियर महिला सिविलियन व्यक्तिगत योगेश्वरी बाईस ने ब्रॉन्ज हासिल किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा, हमारी बेटियों ने देशभर में मध्य प्रदेश का परचम लहराया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेलों को नई दिशा देगी और अन्य खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। विजयी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को बधाई।

मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व के अंतर्गत विधायक रामेश्वर शर्मा ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 'जनकल्याण पर्व' मनाया जा रहा है। सरकार के इस पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को भोपाल की हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में विभिन्न विकास विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। विधायक ने ग्राम पंचायत सरवर, समसगढ़, बरखेड़ी वाज्याफ्त, मेंडोरी एवं मेंडोरा में मंगल भवन सहित अनेकों सौगातें दी हैं। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सैकड़ों की संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

- मेंडोरा में सामुदायिक शेड निर्माण, पंचायत भवन, नल-जल योजना हेतु पानी की टंकी, नाली निर्माण, कांक्रीट सड़क निर्माण, तार फेसिंग। मेंडोरी में 24 लाख की लागत से सामुदायिक शेड का निर्माण। बरखेड़ी वाज्याफ्त में सामुदायिक शेड निर्माण एवं कांक्रीट सड़क का निर्माण, कुशलपुरा में श्मशान शेड का निर्माण। समसगढ़ में सामुदायिक शेड का निर्माण। सरवर में सामुदायिक शेड का निर्माण। जनकल्याण पर्व के तारतम्य में विधायक रामेश्वर शर्मा हुजूर की विभिन्न पंचायतों को विकास कार्यों की सौगात देंगे।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य में टी टी नगर स्टेडियम के पास अटल पथ पर अटल बिहारी वाजपेई जी की 100वीं जयंती के अवसर पर ड्यूथलॉन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राजस्थान, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ राज्य को बाघ देने की स्वीकृति जारी

केन्द्र की अनुमति के बाद बाघों का होगा हस्तांतरण

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा राजस्थान, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ राज्य को बाघ हस्तांतरित करने के आदेश जारी कर दिये गये हैं। जारी आदेश में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व और कान्हा टाइगर रिजर्व से राजस्थान को 4 मादा बाघ, उड़ीसा को एक नर एवं 2 मादा बाघ और छत्तीसगढ़ राज्य को 2 नर एवं 6 मादा बाघ सौंपे जायेंगे ।जारी आदेश में कहा गया है कि बाघ देने की सैद्धांतिक प्रक्रिया में बाघ एवं बाघिन को ट्रांसलोकेट करने की कार्यवाही अधिकृत पशु चिकित्सक की देखरेख में की जाये। बाघों के जीवन को किसी प्रकार का खतरा न हो, इसका ध्यान रखा जाये। ट्रांसलोकेट किये जाने का सम्पूर्ण व्यय संबंधित राज्य द्वारा वहन किया जायेगा। हस्तांतरण की विधिवत अनुमति भारत सरकार से प्राप्त की जाये।

हिंदी भवन में शरद व्याख्यानमाला एवं सम्मान समारोह संपन्न

हमें अपना गौरवशाली अतीत दुनिया के सामने लाना होगा : मंत्री श्री परमार

भोपाल (आरएनएस)। भारत के पास अपना चिंतन और दर्शन है। कई सालों तक षडयंत्रपूर्वक भारत को अशिक्षित बताया जाता रहा। लेकिन सोचने वाली बात है कि यदि भारत अशिक्षित देश था तो यहां नालंदा जैसा विश्वविद्यालय और पुस्तकालय कैसे था। प्रकृति की रक्षा का भाव इस देश में कैसे पैदा हुआ? इन सब बातों को केंद्र में रखते हुए हमें हमारे गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाना चाहिए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार बुधवार को हिंदी भवन में आयोजित शरद व्याख्यानमाला और सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के इस वार्षिक आयोजन में सामयिक विषयों पर व्याख्यान के साथ ही आठ विभूतियों को राष्ट्रीय सम्मान भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानस भवन के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा ने की। व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रो. शरद सोनी ने 'वैश्विक संकट॰ सभ्यतागत संघर्ष की आहट' तथा प्रो. शंकरशरण ने 'भारतीयता का संस्कार देने की दिशा' विषय पर व्याख्यान दिये।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमें हमारी ज्ञान परंपरा की रक्षा के साथ सीमाओं की रक्षा भी करनी चाहिए। हमारी संस्कृति पर हमले करने वाले सीमा पार कर ही आये थे। मानस भवन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आज 25 दिसंबर का दिन है,यह भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी तथा मदनमोहन मालवीय का जन्म दिवस है। इस दिन के साथ मीठी स्मृतियों के साथ ही कुछ खट्टी यादें भी हैं।

दो समूहों के बीच झड़प,14 लोगो के खिलाफ एफआईआर

-पीएचक्यू ने तलब की रिपोर्ट, डीजीपी ने जताई नाराजगी

भोपाल(ए)। राजधानी भोपाल के जहॉगिराबाद थाना इलाके में मंगलवार को दो पक्षो के बीच हुई झड़प के बाद फिलाहाल हालात सामान्य है, लेकिन एहतियात के लिये क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनात है। घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए है। पथराव तलवारबाजी करते हुए हमलावरों ने घर के दरवाजों की चादर तक फाड़ डाली। पुलिस ने मामले में दो गुटों के 14 लोगों के खिलाफ बलवा, तोड़फोड़, मारपीट सहित अन्य धाराओ में केस दर्ज किया है, जिसमें एक महिला भी शामिल है। सूत्रो के अनुसार दो पक्षों के बीच हुए विवाद को लेकर पीएचक्यू ने घटना की रिपोर्ट तलब की है। इसे लेकर डीजीपी कैलाश मकवाना ने पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र से बात की। बताया जा रहा है कि डीजीपी ने घटनाक्रम पर नाराजगी जताते हुए पूछा है की समुदाय के लोग एक धार्मिक स्थल पर जमा होते रहे इसकी भनक पुलिस के लोकल इंटेलिजेंस को क्यो नहीं लग सकी। पुलिस के अनुसार जहांगीराबाद इलाके की पुरानी गल्ला मंडी के पास रविवार को दो बस्ती से तेज स्पीड में बाइक निकालने पर रघुवीर सिंह का विवाद फैज, माइकल, जहीर, समीर, सैफ से हो गया था। आरोपियों ने चाकू से रघुवीर पर वार कर उसे घायल कर दिया था। पुलिस प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं दो आरोपी फरार थे। मंगलवार को एक फरार आरोपी को मोहल्ले में देख फिर झड़प हो गई थीं। विवाद बढ़ने पर महिलाएं और पुरुष लाठी, डंडे और तलवारों से लैस होकर पहुंचे और माइकल से मारपीट कर दी। जान बचाने के लिए माइकल एक घर में जा घुसा तब हमलावरों ने उस घर के दरवाजे की चादर तलवार से फाड़ दी। और यहॉ खड़े कई वाहनो में तोड़फोड़ कर डाली। फरियादी शाहवर उर्फ माइकल ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह बिस्किट लेने जा रहा था, बरखेड़ी चौराहे पर सरदार मोहल्ले के रहने वाले डूंम, हुकुम सिंह, ओमकार, बैताब, जालिम सिंह, अर्जुन, कर, चमेली, जंगलू, निहलू, टोपू, शैलेंद्र, महेंद्र आचे वहां पहुंचे। उनके हाथों में रॉड, डंडे और धारदार हथियार थे।

तेज रफ्तार दो पहिया वाहन की टक्कर से घायल युवक ने कुछ घंटो बाद तोड़ा दम

भोपाल (ए.)। टीटी नगर थाना इलाके में स्थित पत्रकार कॉलोनी के सामने तेज रफ्तार दो पहिया वाहन चालक ने एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रुप से घायल युवक को इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ कुछ घंटे चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोलार कॉलोनी, शिव मंदिर के पास चुनाभट्टी में रहने वाले अर्जुन सिंह ठाकुर पिता स्वर्गीय चैन सिंह ठाकुर (50) निजी काम करते थे। मंगलवार शाम करीब साढ़े 7 वह पत्रकार कॉलोनी के पास से होते हुए पैदल अपने घर जा रहे थे। उसी समय पत्रकार कॉलोनी के सामने माता मंदिर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अर्जुन को पीछे से टक्कर मार दी थी। सूचना मिलने पर गंभीर रुप से घायल अर्जुन को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिये जेपी अस्पताल पहुंचाया गया वहॉ उनकी नाजुक देखते हुए हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत निगम द्वारा 08 स्थानों पर आज आयोजित किये जायेगें शिविर

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित नागरिकों तक पहुंचाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु गुरूवार को शहर के 08 जोनों के 08 स्थानों पर षिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों में हितग्राही मूलक कल्याणकारी योजनाओं के प्रकरणों को निराकृत किया जायेगा।मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित नागरिकों तक पहुंचाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु गुरूवार को नगर निगम भोपाल के 08 जोनों के अंतर्गत 08 वार्डों में शिविरों का आयोजन किया गया है जिसके तहत जोन क्रमांक 03 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11, जोन क्रमांक 05 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 19, जोन क्रमांक 09 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37, जोन क्रमांक 12 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44, जोन क्रमांक 13 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 53, जोन क्रमांक 17 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 75, जोन क्रमांक 18 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 80, जोन क्रमांक 21 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 32 में शिविर आयोजित किये जाएंगे। शिविरों में निगम से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जायेगा। 0

महापौर ने सांसद शर्मा के साथ मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का किया लोकार्पण

भोपाल (आरएनएस)। महापौर मालती राय ने सांसद आलोक शर्मा, विधायक आतिक अकील के साथ गौतम नगर गीतांजलि कॉलेज के पास नवनिर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर, जोन अध्यक्ष देवेन्द्र भार्गव, पार्षद शैलेष साहू सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के शहादत दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा

भोपाल(निप्र)। गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के शहादत दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष 26 दिसम्बर को मनाया जाता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इस वर्ष वीर बाल दिवस को व्यापक पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है ।इसके अंतर्गत प्रत्येक जिला मुख्यालय पर स्थानीय सहयोग से 'वीर बाल दिवस' को केन्द्र में रखते हुए पंजाबी साहित्य, पंजाबी बोली, पंजाबी गीत-संगीत आदि पर केन्द्रित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। पंजाबी साहित्य अकादमी द्वारा चार साहिबजादों के शहादत के शौर्य पर केन्द्रित लघु फिल्म (अवधि 15 मिनिट) तैयार की गई है, इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिलों में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया जायेगा।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने 67वीं नेशनल शॉटगन चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी

भोपाल(निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने 67वीं नेशनल शॉटगन चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी है। श्री सारंग ने कहा,हमारे खिलाड़ियों ने स्कीट इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत और प्रशिक्षकों के समर्पण का परिणाम है ।उल्लेखनीय की यह प्रतियोगिता 11 दिसंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली में हो रही है। विजेताओं की सूची॰ Skeet Mi&ed Event Junior, स्वर्ण पदक : मानसी रघुवंशी, ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया Junior Skeet Event, रजत पदक : वंशिका तिवारी Senior Skeet Team Women, कांस्य पदक ॰ शिवानी रायकवार, वंशिका तिवारी, मानसी रघुवंशी Junior Skeet Team Women, स्वर्ण पदक : शिवानी रायकवार, काजल सिंह बघेल, मानसी रघुवंशी Junior Skeet Team Men, रजत पदक : ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया, दुष्यंत विजय भारद्वाज, उदयमान, कुल पदक॰ स्वर्ण : 2, रजत: 2, कांस्य : 1 । खेल मंत्री सारंग ने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह सफलता आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के शिखर पुरुष, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। इस शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जोबट विधानसभा प्रभारी विशाल जी रावत के मार्गदर्शन में जोबट मंडल अध्यक्ष नरेंद्र मंडलोई जी पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नाना भाई धर्मेंद्र जी सोनी श्री सुरपाल जी अजनार नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्रीअमृतलाल जी राठौड़ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मांगीलाल जी जैन साहब और नगर पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि पार्षद गण जनपद अध्यक्ष पति भूपेंद्र सिंह भूरिया मनोज जी चौबे संजय जी वाणी मनीष जी जैन व सभी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने व नगर के सभी पत्रकार बंधुओ ने स्वर्गीयअटल बिहारी वाजपेई जी के अटल टर्मिनल बस स्टैंड पर माल्यार्पण कर के जय घोष के नारे लगाते हुए स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर मरीजोको कम्बल व फ्लो का वितरण क्या और सभी मरीजों को उत्तम स्वास्थ्य मिले व जल्द स्वस्थ होकर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी की योजनाओं के सहभागी बनकर सबका साथ सबका विकास में अग्रणी बनने की कामना की।

भिक्षुकों ने घेरा कलेक्टर कार्यालय, 5 हजार रुपए महीना मांगा, भिक्षा मांगने पर बैन का विरोध

इंदौर (ए.)। इंदौर में कलेक्टर द्वारा शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने की मुहिम के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी संख्या में भिक्षुक, दिव्यांग और कुष्ठ पीड़ित कलेक्टर कार्यालय पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि उन्हें भिक्षा मांगने की अनुमति दी जाए या उनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा पेंशन के नाम पर दिए जा रहे 600 रुपए और राशन से उनके परिवार का गुजारा संभव नहीं है। प्रदर्शन में शामिल कुष्ठ पीड़ितों और भिक्षुकों ने संघ का निर्माण कर लिया है, जिसमें सहयोग कुष्ठ निवारण संघ और दिव्यांग हितग्राही भी शामिल हैं। संघ के अध्यक्ष सारंग गायघने और सुभाष भरवाड़ ने बताया कि उनका जीवन भिक्षावृत्ति पर निर्भर है, और कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा 1 जनवरी से भिक्षा देने और लेने वालों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश उनके जीवनयापन के अधिकार का हनन हैं।

5 हजार रुपए मासिक सहायता की मांग की

कलेक्टर द्वारा चलाई जा रही दीनदयाल रसोई योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद लोगों को मात्र पांच रुपए में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मजदूर चौराहों और रैन बसेरों पर भी यह सुविधा नगर निगम द्वारा दी जा रही है। शहर की कई सामाजिक संस्थाएं भी इसी तरह की योजनाओं में योगदान दे रही हैं। परदेशीपुरा क्षेत्र में साईं मंदिर समिति द्वारा भी पांच रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने प्रति माह 5 हजार रुपए की सहायता राशि की मांग की। उन्होंने अन्य राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि आंध्रप्रदेश में 6 से 15 हजार रुपए, दिल्ली और हरियाणा में 3 हजार रुपए, और महाराष्ट्र में 4 हजार रुपए मासिक सहायता दी जाती है। इंदौर में भी कम से कम 5 हजार रुपए मासिक सहायता की मांग की गई।

कलेक्टर कर रहे रोजगार प्रशिक्षण की व्यवस्था

कलेक्टर आशीष सिंह ने प्रदर्शनकारियों को स्पष्ट जवाब दिया कि शहर में भिक्षावृत्ति की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि निसहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए उज्जैन के सेवाधाम में इलाज और रोजगार के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। साथ ही, हातोद के पास पितृ पर्वत क्षेत्र में कुष्ठ रोगियों को घर और खेती के लिए जमीन भी दी गई है। कुष्ठ रोगियों का कहना है कि पेंशन और राशन की मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि 2011 में भी उन्होंने मुख्यमंत्री से 5 हजार रुपए मासिक सहायता की मांग की थी, लेकिन इसे अब तक पूरा नहीं किया गया। प्रदर्शनकारी देर शाम तक अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते रहे।

इंदौर में चर्च के गेट पर लिखा मंदिर, बजरंग दल वाले बोले ये धर्मांतरण करवा रहे

इंदौर (ए.)। क्रिसमस के एक दिन पहले बजरंग दल के कार्यकर्ता चर्च पर लिखे मंदिर नाम को लेकर सड़कों पर उतर गए। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कल रात दो थानों पर शिकायती आवेदन देकर चर्च पर लिखे मंदिर नाम को हटाने की चेतावनी देते हुए कार्रवाई करने की बात कही, साथ ही यह भी कहा कि जब क्रिश्चियन धर्म के लोगों को हिंदू धर्म में विश्वास ही नहीं है, तो चर्च पर मंदिर लिखने की उनकी मंशा क्या है। वह खुद चर्च पर लिखे मंदिर नाम को हटा लें नहीं तो हम सड़कों पर उतरकर इसका जमकर विरोध करेंगे। हालांकि पुलिस ने भी संगठन से शिकायत लेकर जांच करने की बात कही है।

चर्च को बताया अवैध

बजरंग दल इंदौर विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर ने आरोप लगाया कि छावनी स्थित अवैध चर्च मौजूद है। यहां बड़ी संख्या में पहले भी धर्मांतरण के विषय सामने आ चुके हैं। उक्त चर्च धर्मांतरण का बड़ा अड्डा बन चुका है, वह पहले तो सरकारी जमीन पर बना है और पूर्णत: अवैध चर्च है। जब हमें सूचना प्राप्त हुई कि चर्च के मुख्य द्वार पर मंदिर लिखा हुआ है, जानकारी लगते ही बजरंग दल ने लिखित आवेदन देकर संयोगितागंज और पलासिया थाने पर पुलिस प्रशासन को आपत्ति दर्ज कराई।

चर्च के आगे मंदिर नहीं लिखना चाहिए

दरेकर का कहना है कि इंदौर विभाग में कहीं पर भी किसी भी चर्च के आगे मंदिर नहीं लिखा होना चाहिए। मंदिर सनातन का प्रतीक होता है वहां हिंदू देवी-देवताओं की स्थापना होती है, जब क्रिश्चियन लोग हिंदू भगवानों पर विश्वास ही नहीं करते तो फिर मंदिर लिखने का उनका क्या तात्पर्य है। इस पर बजरंग दल को घोर आपत्ति है। दरेकर ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है जहां कहीं पर भी चर्च के आगे मंदिर लिखा पाया गया तो सभी वह तुरंत खुद हटा ले अन्यथा बजरंग दल इसका पूर्ण पुरजोर विरोध करेगा। ज्ञापन देने के दौरान विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर, विभाग सह संयोजक अविनाश कौशल, लकी बाहुबली, कुलदीप अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

दूध की गाड़ी पलटी, हेल्पर की मौत, ड्राइवर गंभीर

इंदौर(ए.)। इंदौर के एमआईजी क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। ब्रिज के पास लिंक रोड पर तेज रफ्तार दूध वाहन पलटने से 22 वर्षीय हेल्पर अनुज यादव की जान चली गई, जबकि ड्राइवर रंजित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब वाहन खंडवा रोड पर दूध बांटने के लिए जा रहा था।

ड्राइवर को भर्ती करवाया

हेल्पर अनुज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल ड्राइवर रंजित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

रफ्तार तेज होने की आशंका

परिजन ने बताया कि चंदन भैया के दूध वाहन में रंजित काम करता था और खंडवा रोड पर दूध बांटने के लिए जा रहा था, जब यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार की वजह से चार पहिया दूध वाहन ब्रिज के पास लिंक रोड पर पलट गया था।

पुलिस का नहीं बदमाशों का खौफ, दिनदहाड़े चाकूबाजी कर उतारा मौत के घाट, 18 घंटे में दूसरी वारदात

कटनी (ए.)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में पुलिस से ज्यादा बदमाशों का खौफ लोगों में दिखाई देने लगा है। ताजा मामला बस स्टैंड चौकी अंतर्गत इंडिया होटल के पास का बताया गया। जहां आधा दर्जन अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े एक 20 वर्षीय ऑटो चालक पर एक के बाद एक चाकू से कई वार करते हुए उसकी जान ले ली।

घटना की जानकारी लगते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में एसपी अभिजीत रंजन के निर्देशन कोतवाली टीआई सहित अन्य स्टॉफ को जिला अस्पताल रवाना करवाते हुए खुद घटना स्थल पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले चलती ऑटो में किसी बात को लेकर आर्यन बर्मन नामक युवक से कुछ विवाद हुआ था, जिसमें मृतक लक्की गुप्ता के सिर में हमला करते लहूलुहान कर भाग निकले थे। उसकी स्नढ्रक्र दर्ज कराई तो आज अपने साथियों के साथ मिलकर चाकूबाजी करते हुए जान से मार डाला है। आपको बता दें कि कटनी में 18 घंटे ठीक से बीते भी नहीं थे कि चाकूबाजी की दो घटनाएं समाने आ गई और दोनों ही पीड़ितों की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। वहीं, आज हुई चाकूबाजी में एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि बीते 24 घंटे में दो लोगों की चाकूबाजी से हत्या हुई है, जिसमें एनकेजे के सभी आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं तो इसके भी पकड़ने के प्रयास जारी हैं। वहीं, दो दिन पहले मृतक लक्की गुप्ता पर हुए जानलेवा हमले मामले पर एसपी ने कहा कि इसकी जानकारी लगाई जा रही थी। स्नढ्रक्र के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई। दोषी पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर मस्ती से टहलता चीता, कुत्ते का शिकार कर मिटाया अपनी भूख

श्योपुर (ए.)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में चीता वायु शहर में पहुंच गया। शहर की सड़कों पर दौड़ते उसका वीडियो भी सामने आया है। चीते के आसपास चल रहे भारी वाहनों के चलते उसे खतरा भी हो सकता था। अब कूनो प्रबंधन चीता पर नजर रखे जाने के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले चार दिन पहले कूनो नेशनल पार्क से निकलकर शहरी इलाके के पास पहुंचे चीता वायु ने तीन दिन बाद अपना ठिकाना बदल लिया है। चीते ने एक मादा स्वान का शिकार किया और अपनी भूख मिटाई।

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात वह शहर के वीर सावरकर स्टेडियम के पास देखा गया। बुधवार को सुबह उसकी लोकेशन बेला भीमलत गांव के पास है। कूनो नेशनल पार्क की चीता ट्रैकिंग टीम इस चीते को ट्रैक कर रही है। अब चीते की लोकेशन भेला भीमला गांव के पास है।चीता स्टेडियम, कलेक्ट्रेट और ईको सेंटर होते हुए बावंदा नाले तक पहुंचा है। इस इलाके से सामान्य और कूनो वन मंडल का बफर जोन का जंगल लगा हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि चीता अब कूनो वापस लौट जाएगा। शहर के वीर सावरकर स्टेडियम के पास क्रेशर बस्ती में रहने वाले युसूफ खान ने बताया कि स्टेडियम में था। दो गाड़ियां भी कुछ दूरी पर थी। हमने वीडियो बनाया तो दो वर्दी धारी लोगों ने मोबाइल लेकर वीडियो डिलीट कर दिया। दहशत की वजह से शहर के वीर सावरकर स्टेडियम में रहने वाले कर्मचारी भी अपने आवास पर ताला लगाकर कहीं चले गए हैं। लोगों में भी डर का माहौल है।

इंदौर में फिर अवैध बाड़ों के खिलाफ एक्शन, दो बाड़ों को तोड़ा; हिन्दू संगठनों में नाराजगी

इंदौर (ए.)। इंदौर में फिर पशु पालन शुरू हो गया है और अवैध बाड़े भी बनने लगे हैं, लेकिन अब उनके खिलाफ फिर नगर निगम ने कमर कसी है। बुधवार को सुबह दो बाड़े रिमूवल गैंग ने तोड़े और 50 से ज्यादा मवेशियों को मुक्त कराया। शहर में 30 से ज्यादा अवैध बाड़े अफसरों ने चिन्हित किए है। जिन्हें नगर निगम तोड़ेगा और पशु पालकों के खिलाफ प्रकरण भी दर्ज कराएगा।

बुधवार सुबह नगर निगम की टीम दत्त नगर पहुंची। यहां सार्वजनिक जमीन पर अवैध बाड़ा बनाकर पशुपालन हो रहा था। रहवासियों ने इस बाड़े को लेकर शिकायत की थी कि रात के समय यहां असामाजिक तत्व आते थे और नशाखोरी करते थे। बाड़े पर बुलड़ोजर चलाने से पहले अफसरों ने 30 पशु वाहन में रखवाए और उन्हें गौशाला भेजा गया।

इसके बाद बुलड़ोजर से बाड़ा तोड़ा गया। इसके बाद सूर्यदेव नगर में दूसरा अवैध बाड़ा तोड़ने अमला पहुंचा और वहां से 20 पशु मुक्त कराकर यशवंत सागर गौशाला पहुंचाए गए। इसके बाद दूसरा बाड़ा भी तोड़ा गया। आपको बता दे कि तीन साल पहले इंदौर पशु मुक्त हो गया था और धारा -144 लगाकर पशु पालन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया था, लेकिन फिर धीरे-धीरे अवैध पशु पालन शुरू हो गया।

हिन्दू संगठनों ने की तोड़फोड़

नगर निगम ने अवैध बाड़े तोड़ने का विरोध भी हुआ। बाड़े पर बुलड़ोजर चलाने से पहले अफसरों ने 30 पशु वाहन में रखवाए और उन्हें गौशाला भेजा गया, लेकिन हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने ट्रक रोक कर उसमें तोड़फोड़ कर दी। निगम के कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। इससे निगम कर्मचारी भी नाराज हो गए और उन्होंने हवा बंगला जोन पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं की मारपीट के कारण तीन निगमकर्मी घायल हुए है। हिंदू संगठन पदाधिकारियों का कहना था कि पशुओं को गलत तरीके से गाड़ी में डाला गया। गौशाला में पशुओं की देखभाल की जा रही थी। गौशाला को बैगर नोटिस के तोड़ा गया।

व्यापार समाचार

RBI: 2024 में कम रही मनरेगा में काम की मांग, ग्रामीण स्थिति पर रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में बड़ा

नई दिल्ली (ए.)। रिजर्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) में काम मांगे जाने की रफ्तार में गिरावट आने का दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना महामारी के बाद के वर्षों के मुकाबले मौजूदा वित्तीय वर्ष (अप्रैल-नवंबर) के अधिकतर महीनों में मनरेगा के तहत लोगों की तरफ से काम मांगने की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

गौरतलब है कि इस स्कीम के तहत जिन परिवारों के वयस्क लोग काम करने में सक्षम होते हैं, उन्हें अकुशल मजदूरी से जुड़े कामों के लिए साल में कम से कम 100 दिन रोजगार की गारंटी मिलती है।

आरबीआई के मुताबिक, अक्तूबर के मुकाबले नवंबर 2024 में मनरेगा के तहत काम मांगने वालों की संख्या में 8.2 फीसदी का उछाल देखा गया। पिछले साल नवंबर के मुकाबले यह 3.2 फीसदी ज्यादा रहा। इसकी एक वजह रबी फसलों की बुवाई है। लेकिन महामारी के बाद के वर्षों से तुलना की जाए तो इस वित्तीय वर्ष अप्रैल से नवंबर के बीच मनरेगा के तहत काम की मांग कम ही रही।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बेहतर होती स्थिति की ओर इशारा करता है। खासकर कृषि क्षेत्र के अच्छे होते हालात की तरफ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अक्तूबर 2024 में मनरेगा के तहत काम की मांग पिछले महीने (सितंबर) के मुकाबले 7.5 फीसदी तक गिर गई थी। इसके पीछे की वजह खरीफ सीजन के दौरान बोई गई फसलों की कटाई रही थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, 29 नवंबर 2024 तक मनरेगा के तहत काम करने वाले रजिस्टर्ड कर्मियों की संख्या 25.17 करोड़ थी, जो कि 2023-24 में पंजीकृत कामगारों के 25.68 करोड़ के आंकड़े से कुछ कम रही। हालांकि, इसके बावजूद आर्थिक अनिश्चितता के समय में मनरेगा एक अहम और सुरक्षित रोजगार का माध्यम बना हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संगठित विनिर्माण क्षेत्र (ऑर्गनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर) में रोजगार में लगातार और नियमित बढ़ोतरी देखी जा रही है।

क्रिसमस पर बुधवार को बंद रहा शेयर बाजार

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को क्रिसमस के कारण बंद रहा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कोई कारोबार नहीं होगा। वहीं, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और नेशनल कमोडिटी एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) में भी छुट्टी रही। आज बाजार में इस साल की आखिरी छुट्टी है। इससे पहले 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती की छुट्टी के चलते बाजार बंद था। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

24 दिसंबर को सेंसेक्स 67 अंक की गिरावट के साथ 78,472 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 25 अंक गिरा, ये 23,727 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, बीएसई स्मॉलकैप 205 अंक की तेजी के साथ 55,023 के स्तर पर बंद हुआ था।

वेडिंग फंक्शन के लिए मिल रही एक से बढ़कर एक साड़ियां

मुंबई (ए.)। वेडिंग सारी फार वूमेन साड़ी कलेक्शन में वेडिंग फंक्शन के लिए एक से बढ़कर एक साड़ियां मिल रही हैं। साडियों की इस सेल में लेटेस्ट स्टाइल और ट्रेंड वाली साड़ियां उपलब्ध हैं। ये सॉफ्ट और लाइट फैब्रिक से बनी हैं।

एथनिक और ट्रेडिशनल स्टाइल के लिए इन साड़ियों को बेस्ट माना जाता है। ये साड़ियां अमेजन द वेडिंग फेस्ट में 80 प्रतिशत तक की छूट पर मिल रही हैं। इस लिस्ट में रुपए 4999 वाली साड़ी 999 रुपये में उपलब्ध है। बचत के साथ के साथ साड़ी के लिए यह कलेक्शन बेस्ट है। पिंक कलर में मिल रही यह बनारसी सिल्क सारी बहुत ही आकर्षक है। इस कांजीवरम बनारसी सिल्क साड़ी को वेडिंग के साथ ही फेस्टिवल, पार्टी और डेली वेयर में ऐड कर सकती हैं। यह 6 यार्ड की लेंथ में आ रही है। यह फ्लोरल प्रिंट वाली साड़ी आपको एथनिक और ट्रेडिशनल लुक भी देती है। इस साड़ी के साथ अनस्टिच्ड ब्लाउज दिया गया है। इसका सिल्क फैब्रिक काफी बढ़िया है। अगर आप वेडिंग फंक्शन में आकर्षक और स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो यह रेडी टू वियर सारी आपके लिए बेस्ट हो सकती है। यह एम्बेलिश्ड लाइक्रा साड़ी बहुत ही बढ़िया है। यह साड़ी पिंक और अन्य कलर में भी उपलब्ध है।

इस साल नौकरी के लिए महिलाओं ने किए 2.8 करोड़ आवेदन; कार्यबल में 20 फीसदी भागीदारी बढ़ी

वर्ष 2024 में नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदन आए, जिसमें से 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यह संख्या वर्ष 2023 की तुलना में 20 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत के रोजगार परिदृश्य में तेजी से बदलाव आ रहा है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस साल आए कुल सात करोड़ आवेदन पिछले वर्ष के मुकाबले 25 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट इंडिया एट वर्क 2024 रोजगार पोर्टल अपना डॉट ने जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, आवेदनों की संख्या में वृद्धि कार्यबल में महिलाओं और युवाओं की बढ़ती भागीदारी का नतीजा है। इसमें कहा गया है, वरिष्ठ और प्रबंधकीय पदों के लिए आवेदनों की संख्या में 32 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, देश के कार्यबल को आकार देने में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव का संकेत है।

टियर-1 शहरों में सबसे ज्यादा आवेदन

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, बंगलूरी और मुंबई जैसे टियर-1 शहरों में महिलाओं ने सबसे ज्यादा 1.52 करोड़ आवेदन किए। वहीं, जयपुर, लखनऊ और भोपाल जैसे टियर-2 तथा टियर 3 शहरों में महिलाओं की ओर से किए गए आवेदनों की संख्या 1.28 करोड़ दर्ज की गई। इससे पता चलता है कि मेट्रो शहरों से बाहर भी रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

28% बढ़ा महिला पेशवेरों का औसत वेतन

रिपोर्ट बताती है कि 2023 के मुकाबले 2024 में महिला पेशेवरों के औसत वेतन में 28 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। महिलाएं न सिर्फ स्वास्थ्य देखभाल, आतिथ्य, खुदरा और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, बल्कि फील्ड बिक्री, आपूर्ति श्रृंखला और सुरक्षा सेवा जैसी अपरंपरागत भूमिकाएं भी अपना रही हैं।

सरकारी सूत्रों का दावा, मूवी थियेटर में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर लगेगा 5 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। लेकिन पॉपकॉर्न पर तीन अलग-अलग स्लैब में लगाए टैक्स चर्चा में हैं। अब सरकारी सूत्रों की ओर से बताया गया है कि, मूवी थियेटर में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर भी रेस्तरां की तरह ही 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में पॉपकॉर्न पर जीएसटी को स्पष्ट किया गया है। दरअसल, नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। पॉपकॉर्न पर जीएसटी दर में कोई वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा और चूंकि इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा।

RBI: ट्रंप की नीतियां बढ़ा सकती हैं आरबीआई की चुनौती, रिपोर्ट में दावा- ब्याज दर में कटौती की योजना पर संकट

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई के लिए चुनौती बन सकती हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप की नीतियों से भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कटौती की योजना प्रभावित हो सकती है। आरबीआई महंगाई दर में गिरावट आने के चलते रेपो दर में कटौती की योजना बना रही है।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप की नीतियों के बारे में अनिश्चितता और महंगाई संबंधी दबाव के कारण आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती का समय प्रभावित हो सकता है। ट्रंप की नीति आरबीआई की नीतिगत ढील के समय में बाधा उत्पन्न कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक जहां एक ओर घरेलू महंगाई में कमी आने की उम्मीद है, लेकिन खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव और ट्रंप की नीतियों के चलते इसमें देरी हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च महंगाई से स्टॉक और बॉन्ड प्रदर्शन के बीच मजबूत संबंध हो सकता है। 2022 में भी महंगाई और ब्याज दरों में तेजी का स्टॉक और बॉन्ड पर प्रभाव पड़ा था। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अचल संपत्तियां, नकदी और सोना महंगाई के खिलाफ प्रभावी बचाव के रूप में काम कर सकते हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके

कम-से-कम 1990 के बाद से रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही। कई बार सरकारों ने तब भी उसके दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। अब ये कहानी बदल गई है।

संजय मल्होत्रा लगातार दूसरे नौकरशाह हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के एलान के संकेत मिल गया था कि केंद्र सरकार भविष्य में आरबीआई से कैसी भूमिका की अपेक्षा रखती है।

मल्होत्रा ने इस प्रतिष्ठित संस्था का कमान संभालने के तुरंत बाद जो कहा, उससे यह भी जाहिर हो गया है नए गवर्नर किस रूप में अपनी भूमिका देखते हैं।

मल्होत्रा ने कहा- अब जबकि हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, हमारी अर्थव्यवस्था जिस हाल में है, उसे और विसित होने की जरूरत है, ताकि 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके।' लाजिमी है कि ऐसे वक्तव्य आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक रंग लिए दिखें।

सेंट्रल बैंकों (जिसे भारत में रिजर्व बैंक कहा जाता है) की क्या भूमिका होना चाहिए, इस पर सोच अक्सर टकराती रही है।

मजबूत सरकारें अक्सर उसे अपने एक विभाग के रूप में काम करते देखना चाहती हैं, जबकि बाजार और अर्थव्यवस्था में हित रखने वाले अनेक दूसरे तबकों की अपेक्षा यह होती है कि ये संस्था पेशेवर नजरिए से काम करे। लोकतांत्रिक देशों में सरकारों की अपनी सियासी एवं चुनावी प्राथमिकताएं होती हैं, जो कई बार अर्थव्यवस्था की बड़ी जरूरतों के खिलाफ चली जाती हैं। उस समय सेंट्रल बैंकों से उम्मीद रहती है कि वे शासक दल की जरूरत के मुताबिक चलने के बजाय अर्थव्यवस्था के बुनियादी तकाजों को प्राथमिकता देंगे।कम-से-कम 1990 के बाद से भारत में रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही और उन्होंने अपेक्षाकृत स्वायत्त ढंग से फैसले लिए।कई मामलों में सरकारों ने तब भी इस दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। इस कारण तब टकराव भी उभरते थे। मगर नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने और शक्तिकांत दास के गवर्नर बनने के बाद से कहानी बदल गई है। इससे सरकार अपनी मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप लागू कर पाई है।अब नए गवर्नर ने जो संकेत दिए हैं, उससे शुरुआती धारणा तो यही बनी है कि यह चलन आगे भी जारी रहेगा।

उस्ताद जाकिर हुसैन अपने प्रशंसकों को आह भरता छोड़ गए

आलोक पराड़कर

उस्ताद जाकिर हुसैन को भारतीय शास्त्रीय संगीत का सुपरस्टॉर कहना गलत न होगा। साधक तो वे तबला के थे, जिसे मुख्यत: संगत वाद्य ही माना गया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता सब पर भारी थी।

वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के संभवत: सर्वाधिक पारिश्रमिक लेने वाले कलाकार थे, उनके कार्यक्रमों के लिए आयोजकों को लंबा इंतजार करना होता था, उनका आकर्षण ऐसा था कि फिल्मों और विज्ञापनों में भी उन्हें लिया जाता रहा। वे विश्व में भारत के सांस्कृतिक राजदूत भी थे और प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के बाद वे ही थे जिन्होंने विभिन्न देशों में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाया और एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया।

ग्रैमी' जैसे प्रतिष्ठित अवार्ड में भी उन्होंने भारतीयता का परचम लहराया, लेकिन लोकप्रियता के शिखर पर होने और अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनके काम में कहीं समझौता नहीं था। वास्तव में उनमें नाम और काम का संतुलन कुछ वैसा ही था जैसा उनके तबले में बाएं और दाएं का। उनकी उपस्थिति जहां समारोहों की सफलता का पर्याय थी, वहीं उनकी संगत से मुख्य कलाकार का कार्यक्रम भी निखर उठता था। लंबे समय की सफलता उनकी विनम्रता को बदल नहीं सकी थी। हंसमुख, हाजिर जवाब और हरदिल अजीज उस्ताद जाकिर हुसैन अपने व्यक्तित्व में भी कृतित्व जैसी खूबसूरती जीवनपर्यंत कायम रख सके।

तबले को मुख्यत: संगत का वाद्य ही माना गया है, लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन उन कुछ तबला वादकों में थे जिन्होंने इसे एकल और मुख्य वाद्य के रूप में भी स्थापित किया। वे जब लोकप्रिय होने लगे तो पिता के साथ उनकी जुगलबंदी का चलन खूब था। पिता-पुत्र का तबला वादन खूब पसंद किया जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन के एकल वादन की खास बात यह भी होती कि उन्होंने अपने वादन को शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञों के योग्य ही नहीं बनाया बल्कि इसे आम लोगों के लिए भी रुचिकर बना दिया था। जिस

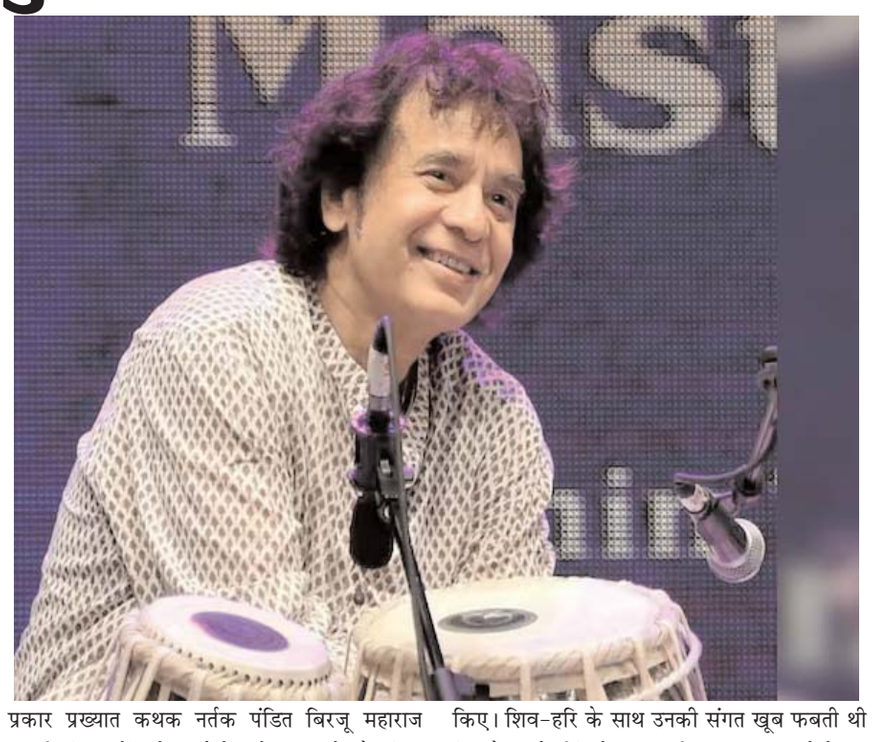

प्रकार प्रख्यात कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज अपनी तिहाइयों को दर्शकों को समझाने के लिए तरह-तरह की कथा-प्रसंगों का सहारा लेते थे, कभी चिड़ियों का उदाहरण देते तो कभी बच्चों के गेंद खेलने का, उस्ताद जाकिर हुसैन भी तबले पर कभी डमरू, कभी मंदिर की घंटी, कभी रेल तो कभी घोड़े की टाप का वादन करते हुए आम लोगों में भी अपनी गहरी पैठ बना लेते थे।

शास्त्र को लोकप्रिय मुहावरे में इस प्रकार ढाल लेने का कौशल उन्हें खूब आता था, लेकिन ऐसा नहीं था कि वे एकल वादन के ही उस्ताद थे। एकल वादन के साथ ही उनकी संगत की भी खूब मांग और धूम थी। वे जब संगत करते तो कार्यक्रमों का एक नया ही रंग बन जाता। पहले प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के साथ और फिर प्रख्यात बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, प्रख्यात संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा, प्रख्यात कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज जैसे कलाकारों के साथ उन्होंने खूब कार्यक्रम किए। शिव-हरि के साथ उनकी संगत खूब फबती थी जिसके कई वीडियो आज भी यू-ट्यूब पर देखे जा सकते हैं। हालांकि उन्होंने हर प्रमुख कलाकार के साथ संगत की, शास्त्रीय संगीत से लेकर सुगम और फिल्म संगीत तक, वरिष्ठ एवं प्रख्यात कलाकार से लेकर युवा और उभरते कलाकारों तक, उन्होंने सबके साथ बजाया।

लोकप्रिय पार्श्व गायक हरिहरन के साथ गजलों के अलबम में उनकी उपस्थिति साफ नजर आती है। उस्ताद जाकिर हुसैन ने संगत को लेकर अपने दृष्टिकोण से जुड़ा एक बड़ा जरूरी किस्सा एक बार लखनऊ में बताया था। उन्होंने बताया था कि मैं 17 साल का था और पंडित रविशंकर जी के साथ यात्रा पर था। एक कार्यक्रम हुए, दूसरा कार्यक्रम हुआ, मैंने रविशंकर जी से पूछा कि कैसा हो रहा है? रविशंकर जी ने कहा कि तुम मेरे साथ तबला बजाते हो लेकिन मुझे देखते क्यों नहीं? उसके बाद शाम को जब कार्यक्रम हुआ तो उस्ताद जाकिर हुसैन पंडित रविशंकर की ओर थोड़ा और घूमकर बैठ गए। उस दिन संगत की एक नई किताब खुल गई। वह पंडित जी को देखकर बजाने लगे और उन्हें समझ में आने लगा कि संगत कैसे करनी है। वह कहते थे कि जब आपकी तालीम होती है तो आपकी एकल वादन की तालीम होती है। आप सीखी हुई चीजें बजा देंगे और आपकी प्रशंसा हो जाएगी, लेकिन जब तक संगत करना नहीं आएगा तब तक आप तबलिए नहीं बन सकते।

वह यह भी कहते थे कि सभी रंग का तबला आपके तबले में समाहित नहीं है तो आप एक अच्छे संगतकार नहीं बन सकते। सिर्फ दिल्ली का बजाकर, सिर्फ बनारस का बजाकर, सिर्फ पंजाब का बजाकर आप अच्छे संगतकार नहीं बन सकते। हालांकि उस्ताद जाकिर हुसैन कभी भी संगत में हावी होने की कोशिश नहीं करते थे, अपनी लोकप्रियता का दंभ नहीं दिखाते थे, वे मुख्य कलाकार की जरूरत और सोच के अनुसार ही तबला वादन करते थे लेकिन कई बार ऐसा भी होता था कि उनकी लोकप्रियता पूरे कार्यक्रम में हावी हो जाती थी। ऐसे में यह भी हुआ कि कई कलाकार उनकी लोकप्रियता से आक्रांत होने लगे, उनसे परहेज करने लगे। उस्ताद जाकिर हुसैन भारतीय संगीत के सांस्कृतिक राजदूत भी थे। ज्यादातर प्रसिद्ध कलाकार विदेश में कार्यक्रम करते हैं, कई-कई महीने वहां गुजारते हैं, लेकिन प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के बाद उस्ताद जाकिर हुसैन ही थे जिन्हें विश्व के संगीतप्रेमियों ने सिर-आंखों पर बिठाया। वे लंबे समय से अमेरिका में ही रहते थे। विभिन्न देशों के संगीत के साथ उनके कार्यक्रम भी खूब होते थे।

इन सबके बावजूद वे भारत में भी लगातार सक्रिय रहते थे। अपने सुदर्शन व्यक्तित्व के कारण उन्हें फिल्मों में अभिनय करने का आमंतग्रमिला था। विज्ञापन में तो वे बहुत पहले ही आ चुके थे। उनके समकालीन मानते थे कि उनकी लोकप्रियता में बड़ा योगदान विज्ञापनों का भी रहा है, जिसके कारण वह घर-घर में पहचाने जाने लगे थे। वाह उस्ताद उनके नाम से जुड़ गया था, लेकिन अचानक वे अपने प्रशंसकों को आह भरता छोड़ गए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पार्टी सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत नई दिल्ली में क्रिसमस मनाने के लिए सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च गए।

तोड़ मरोड़कर की राजनीति भाजपा ने सिखाया

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां भाजपा से निपटने के लिए उसी के हथियार आजमा रही है। अब तक भाजपा इन्फॉर्मेशन, मिसइन्फॉर्मेशन और डिसइन्फॉर्मेशन कैंपेन के जरिए राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं का शिकार करती थी। याद करें कैसे आलू से सोना बनाने वाली बात का राहुल गांधी के खिलाफ इस्तेमाल हुआ। राहुल गांधी ने असल में कहा था कि मोदीजी आएंगे तो कहेंगे कि इधर से आलू डालो उधर से सोना निकलेगा'।

लेकिन इसका आधा हिस्सा काट दिया गया और प्रचारित किया गया कि राहुल गांधी आलू से सोना बनाने की बात कर रहे हैं। आजतक इसके लिए राहुल का मजाक बनाया जाता है। कई मंच से भाजपा के सर्वोच्च नेताओं ने इसका जिक्र किया, जबकि वे जानते थे कि यह गलत बात है। ऐसे ही याद करें कैसे अमित शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच अखिलेश यादव के अपने पिता को थप्पड़ मारने की बात के झूठे प्रचार के बारे में बताया था।

सबसे ताजा मामला यह है कि पिछले दिनों अमेरिका यात्रा के दौरान राहुल गांधी से जब पूछा गया कि भारत में आरक्षण कब खत्म होगा तो उन्होंने कहा था कि भारत में जब असमानता खत्म हो जाएगी और आरक्षण की जरुरत नहीं रह जाएगी तब आरक्षण खत्म हो जाएगा। इतनी समझदारी भरी बात का भाजपा ने बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया। भाजपा ने राहुल गांधी को आरक्षण विरोधी होने की बात पर चुनाव में प्रचार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद राहुल गांधी को इस बयान के आधार पर आरक्षण विरोधी ठहराया। कांग्रेस के नेता सफाई देते रहे और दावा करते रहे कि राहुल के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है, लेकिन भाजपा ने अपने प्रचार तंत्र के दम पर बाजी मार ली। लेकिन अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों ने भाजपा को उसी की दवा का स्वाद चखा दिया है।

यह संभवत: पहली बार हो रहा है कि भाजपा के नंबर दो नेता अमित शाह को कहना पड़ रहा है कि उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके भाषण के 10-12 सेकेंड का अंश काट कर उसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी सफाई में छह छह ट्विट करने पड़े। भाजपा का पूरा प्रचार तंत्र यह साबित करने में लगा है कि अमित शाह ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बारे में कोई अपशब्द नहीं कहा है या कोई अपमानजनक बात नहीं कही है।

यह सही भी है कि अमित शाह ने अंबेडकर के लिए कुछ भी अपमानजनक नहीं कहा है फिर भी वह घिरी है। यह गलत नैरेटिव बनाने का मामला है। लेकिन क्या भाजपा स्वीकार करेगी कि उसने आलू से सोना बनाने की बात का जो अभियान राहुल गांधी के खिलाफ चलाया या उनके बयान का गलत अर्थ निकाल कर उनको आरक्षण विरोधी बताने का जो प्रचार लोगों के बीच किया गया वह गलत है? जाहिर है भाजपा इसे स्वीकार नहीं करेगी। अभी वह घिरी है तो कांग्रेस पर मिसइन्फॉर्मेशन फैलाने के आरोप लगा रही है लेकिन हकीकत यह है कि इसकी शुरुआत तो भाजपा ने ही की। बातों को तोड़ मरोड़कर कैसे उसका राजनीति इस्तेमाल किया जाता है यह भाजपा ने बाकी सभी पार्टियों को सिखाया है। आज उसी की सीख उस पर भारी पड़ गई है।

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको नई जानकारी मिलेगी, यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से अपना मनपसंद सामान खरीदेंगे। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगो का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिजनेस में एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय परिवार के साथ बिताएंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद पर गर्व करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में व्यतीत करेंगे। आज आपके व्यापार की गति बढ़ेगी, जिससे अच्छा धन लाभ होगा। लवमेट के साथ चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी, साथ में डिनर करने जायेंगे। आज आप वाहन लेने का मन बनायेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे। आज अपनी कार्यक्षमता के अनुसार आपको कुछ बड़े अवसर भी मिल सकते हैं। जिस प्रकार से क्षमता बढ़ेगी, उस प्रकार से बड़े अवसर भी मिलेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां बनेंगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। राजनीति से जुड़ेलोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोडा चिंतित हो सकते हैं। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे समझ बढ़ेगी। इस राशि के अविवाहितों के चल रही रिश्ते की बात जल्द पक्की हो जाएगी।

मकर राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। किसानों के लिए दिन बढ़िया रहेगा। कृषि कार्यों में प्रगति होगी आज अगर नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। प्रतियोगी क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। लंबे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी।शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

मीन राशि: आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं। काम में मन लगेगा आपको परिवार से सहयोग मिलता रहेगा। इस राशि के लोगों का बिजनेस काफी तरक्की करेगा, साथ ही अधिक लाभ भी होगा।

एस.एन.मिश्रा का क्यों नहीं छुटता परिवहन विभाग से मोह?

अनिल पुरोहित

इस समय मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग की प्रतिमाह होने वाली अवैध कमाई को लेकर बडी चर्चा चल रही है परिवहन विभाग की प्रदेश में स्थापित 48 परिवहन से चौकियों से गुजरने वाले वाहन चालकों से प्रतिमाह होने वाली अवैध वसूली की काली कमाई से कुबेरों की काली कमाई को लेकर चर्चाएं खूब चर्चित है इनको लेकर रोज रोज नए नए खुलासे हो रहे हैं,लेकिन इस बात को लेकर कन्ही पर कोई चर्चा नहीं है कि यह वही एस.एन. मिश्रा है जो नगर निगम में रहते हुए एक ठेकेदार से डेट करोड़ की राशि लेते धराए थे उस समय वह मामला अपने साथी पर डालकर अपने को बचा लिया था अवैध कमाई के लिए हमेशा सुर्खियों रहने वाले श्री मिश्रा इस परिवहन विभाग में वर्षों से कभी यहां वहां भटक कर जमे हुए हैं। प्रदेश के भजकलदारम की संस्कृति के लिए चर्चाओं में रहने वाले आईएएस अपने एक साथी आईएएस अधिकारी के साथ वर्षों पूर्व काफी चर्चाओं रहे थे और जो आईएएस इनके साथ चर्चा में रहे थे उनको उच्च न्यायालय की शरण में जाने के बाद राहत मिली थी वही एस.एन. मिश्रा आज भी वर्षों से परिवहन विभाग में किसके संरक्षण में जमे हुए हैं।

जिनको लेकर विभाग में तरह तरह की चर्चाएं चटखारे लेकर चल रही हैं! वैसे देश के आईएएस को लेकर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन आईएएस के बारे भारत के सबसे बडे सदन में दो बार भाषण दे चुके है यही नही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने तो लोकसभा में दिए अपने भाषणों में देश के इन आईएएसों को बाबुओं की फौज तक कहते हुए लोकसभा में कहा था कि हमने यह आईएएस(बाबुओं) की फौज को पाल रखा हैं यह बाबुओं की फौज कुछ भी कर लेती यह फौज हेलीकाप्टर चला लेती है,यह हवाई जहाज भी चला लेते हैं,अपने लोकसभा में दिए भाषण में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि यह आईएएस (बाबुओं) फौज हमारे देश के फटलाईजर के कारखाने चला लेते हैं,यह (बाबुओं)की हमारी फौज हर काम कर लेती है, हमारे मध्यप्रदेश में यह आईएएस (बाबुओं) की फौज क्या क्या कारनामे कर रही है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को होगी यह बजह है कि हमारे मध्यप्रदेश में जहाँ प्रदेश के कुबेरों की काली कमाई को इस समय खूब चर्चाएं मंत्रालय से लेकर गली कुचों से लेकर प्रदेश ही नहीं,देशभर में सुर्खियों में हो एसी स्थिति में विभाग के उन कुबेरों की चर्चा तो खूब हो रही है जो इस अवैध कमाई बाले विभाग में चंद्र बर्षो से रह कर अपनी काली कमाई के झंडे गाडकर,मध्यप्रदेश में अवैध कमाई के मामले में इतिहास रचा, हालांकि इस तरह की अवैध के लिए मध्यप्रदेश ने पहली बार मुख्यमंत्री मोहन यादव के शासन काल में इतिहास नहीं बनाया इस तरह की काली कमाई के खुलासे के मामले में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के शासन काल में अवैध वसूली की काली कमाई का खुलासा उस समय भी हुआ था जब दतिया जिले की जिलाध्यक्ष एवं उसी जिले की प्रभारी सचिव की गाडी के पहिले शिवपुरी जिले के सिकंदरा परिवहन चौकी पर जाकर अचानक थम गये थे उन दोनों आईएएस की गाडियों के पहिये आचनक थमने के बाद सिकंदरा परिवहन चौकी पर जिस तरह की अफरा तफरी का माहौल उस समय लोगों ने देखा वह आज भी उस माहौल को याद करते हैं वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि उस समय उन तत्कालीन आईएएसों की गाड़ी के पहिये आचनक थमने के बाद सिकंदरा परिवहन चौकी पर रखे गमलों एवं अखबार की रद्दिओं ने किस तरह से नोट उगलना शुरू हुआ था,उसके बाद यह दुसरा अवसर है जो भाजपा की डंबल इंजन की उस सरकार में जिसकी पार्टी के प्रधानमंत्री श्री मोदी जब से इस देश की सत्ता की कमान संभाली तब से लेकर आज शायद ऐसा कोई अवसर जब उन्होंने इस देश की जनता को भ्रष्टाचार के खिलाफ भाषण नहीं दिया हो,मगर देश मे भ्रष्टाचार क्या हालत है कह नही सकते मगर इस हमारे मध्यप्रदेश का तो यह इतिहास रहा है कि भाजपा की सत्ता की कमान समांतर ही इस प्रदेश के मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी ने अपनी पहचान तुम कर डंपर खरीदने का इतिहास वनाया था,इसके बाद जब देश में नोटबंदी का मामला हुआ था,उसके बाद श्री मोदी सरकार ने पुराने नोट बंद करने के बाद देश में नए नोट चला ए थे तो उसके बाद जो रिश्वतखोरी का शायद देश में पहला मामला सामने आया था वह मध्यप्रदेश से ही था,आज जब हमारे मध्यप्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार अपने एक वर्ष से कुछ दिन पूरे कर नये वर्ष से अपनी लोकप्रिय एवं जनप्रिय सरकार के दुसरे में प्रवेश करने जारही हे उस सरकार के कार्यकाल का लोकायुक्त एवं जांच एजेन्सियां की छापेमारी का इतिहास उठाकर देखलो तो शायद ऐसा कोई दिन निकला हो जिसमें प्रदेश भर में कोई पटवारी,आरई या तहसीलदार व अन्य अधिकारी को रिश्वतखोरी में नहीं दबोचा हो इन पकडे गए एक वर्ष में श्री मोहन यादव की सरकार में भ्रस्टाचार का इतिहास लिखने बालो ने एक वर्ष में रिश्वतखोरी से करीब एक करोड़ से अधिक रिश्वतखोरी करने का इतिहास रचा जो सरकारी अधिकारियों ने नहीं बल्कि जिस महाकाल के नगर से हमारे मुख्यमंत्री जी आते हैं उस महाकाल की नगरी में भी भ्रष्टाचार के नए नए इतिहास रचने में कोई कसर नही छोडी है,यही भ्रष्टाचार के इतिहास बनाने में परिवहन विभाग में वर्षों से एस.एन. मिश्रा अपनी भजकलदारम वाली नीति के बाद भी पाक साफ बने हुए वर्षों से धूनी रमाए बैठे हुए हैं जिसको लेकर तरह तरह चर्चाएं परिवहन विभाग से लेकर परिवहन विभाग से जुड़े लोगों में चटखारे लेकर चल रही हैं? इन परिस्थितियों के बावजूद हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के शासन में भाजपा और उसकी सरकार में उठा पटक चल रही है उसे देखने समझने वाले राजनीति के जानकार यह मानकर चल रहे हैं भाजपाई ही आपस में झगड़ा कांग्रेस को ही मुद्दे दे रहे हैं?

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार, 26 दिसम्बर 2024,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

संक्षिप्त समाचार

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर हरियाणा में मनाया गया सुशासन दिवस

चंडीगढ़ (आरएनएस)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर पूरे देश के साथ-साथ हरियाणा में भी सुशासन दिवस मनाया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी को उनकी दूरदर्शिता, कुशल नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाता है। इस दिन को खास बनाने के लिए हरियाणा के विभिन्न जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुशासन दिवस राज्य स्तरीय कार्यक्रम गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा स्थापित उच्च आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि अटल जी के नेतृत्व ने न केवल भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई, बल्कि उनके शासन में पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही को एक नई दिशा मिली। सुशासन दिवस हमें इन मूल्यों को याद दिलाने का अवसर है। सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में अंबाला में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंबाला शहर के पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भाग लिया। उन्होंने अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए युवाओं के साथ अपने विचार साझा किए। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि अटल जी का जीवन हमें दिखाता है कि राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए नहीं बल्कि समाज की सेवा और देश के विकास के लिए होनी चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन के प्रतीक के रूप में जाने जाते हैं। उनके शासनकाल में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों ने न केवल भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया बल्कि हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने की मिसाल भी कायम की। आज हरियाणा में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए उनके इन आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। सुशासन दिवस के कार्यक्रमों में युवाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली। गुरुग्राम विश्वविद्यालय और अंबाला के कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को अटल जी की नीतियों और उनके नेतृत्व से परिचित कराया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनसे अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेकर देश के लिए योगदान देने की अपील की।

करौली में बस की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

करौली (आरएनएस)। राजस्थान के करौली जिले में रात को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां एक निजी बस और कार के बीच जबरदस्त टक्कर हुई है। हादसे में कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि बस में सवार 15 यात्री भी जख्मी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा इतना गंभीर था कि कार और बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। DM नीलाभ सक्सेना, SP बृजेश ज्योति उपाध्याय और ASP गुमनाराम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कार और बस में फंसे लोगो को निकलवाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों पति, पत्नी, बेटा-बेटी और एक महिला रिश्तेदार शामिल है। मृतकों की कार में मिले आधार कार्ड से सभी की शिनाख्त हुई है। मृतकों के नाम-नयन कुमार देशमुख अनीता (पत्नी) मनस्वी (बेटी), खुशदेव (बेटा), प्रीती भट्ट (रिश्तेदार),कैला देवी के दर्शन कर लौट रहे थे सभी बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के इंदौर से कुछ लोग कार में सवार होकर कैला देवी के दर्शन करने गए थे।

हरियाणा में बारिश, कोहरा और शीतलहर का कहर : नए साल की शुरुआत ठंड के साथ

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हरियाणा में ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी साफ दिखाई दे रहा है। मंगलवार रात को हुई बारिश और तेज बर्फीली हवाओं के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है। दिसंबर के आखिरी दिनों में पड़ रही इस ठंड का आम जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए हरियाणा में येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 25-26 दिसंबर को सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 27-28 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। दिन के तापमान में और गिरावट आने से ठंड बढ़ सकती है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों को घर के अंदर रहने और गर्म कपड़े पहनने की हिदायत दी गई है। बारिश ने सर्दी का असर बढ़ा दिया है। पिछले दो दिनों में प्रदेश में औसतन 1.8 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इससे दिसंबर में अब तक हुई बारिश की 40 फीसदी कमी पूरी हो गई है। हालांकि, एक जनवरी से अब तक 2.2 एमएम बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 44 फीसदी कम है। बारिश के कारण किसानों और खुले में काम करने वालों के लिए यह मौसम चुनौतीपूर्ण हो गया है। हरियाणा के अंबाला, हिसार, रोहतक और कुरुक्षेत्र समेत कई जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। विजिबिलिटी कम होने से सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो रहा है। यातायात विभाग ने वाहन चालकों को कोहरे में धीमी गति से वाहन चलाने और फॉग लाइट का प्रयोग करने की सलाह दी है।ठंड के साथ नए साल की शुरुआत मौसम के बदलते मिजाज के कारण नए साल की शुरुआत कड़ाके की ठंड के साथ होने की संभावना है।

रात में देर से घर पहुंची बहन और करने लगी झगड़ा, भाई ने पीट पीटकर मार डाला

देवरिया , (आरएनएस)। यूपी के देवरिया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां रुद्रपुर थाना क्षेत्र के लाला टोली में बीती रात एक भाई ने अपनी ही बहन के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। हत्या का कारण मामूली विवाद बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुच गई। वहीं एसपी विक्रांत वीर ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और कहा कि 35 वर्षीय रानी गुप्ता के सगे भाई ब्रम्हा गुप्ता ने लोहे की रॉड से मार मारकर उसकी हत्या कर दी है। ब्रम्हा गुप्ता हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस टीम मौके से साक्ष्य इकट्ठा कर रही है। मृतका की मां की तहरीर पर भाई के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि रुद्रपुर के लाला टोली वार्ड की रहने वाली रानी गुप्ता रात करीब 9:30 बजे कहीं से घूम कर घर पहुंची। देर से घर आने को लेकर परिजनों ने उससे पूछताछ की तो वह उनसे झगड़ने लगी। उसी दौरान भाई ब्रम्हा ने टोका तो वह उससे भी उलझ गई। इससे नाराज भाई ने घर में रखे लोहे के राड से रानी पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रात करीब 11:00 बजे रानी गुप्ता की मां सावित्री देवी ने पुलिस को जानकारी दी। एसपी विक्रांत वीर ने कहा कि घरेलू झगड़े में एक भाई ने लोहे के राड से मार कर बहन की हत्या कर दी है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में बुधवार को सुबह घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता घटकर 100 मीटर रह गई और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.5 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहा। आईएमडी ने बताया कि सफदरजंग और पालम में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता घटकर 100 मीटर रह गई। मौसम विभाग ने दिन में कोहरा छाए रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया और अधिकतम तापमान के 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 333 यानी बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के 36 निगरानी केंद्रों में से मुंडका ने वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में दर्ज किया, जबकि कुछ केंद्रों में इसे खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का छात्र बना साइबर अपराधी, गिरफ्तार

मोतिहारी(आरएनएस)। बिहार में इन दिनों साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। पुलिस हालांकि साइबर अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर लगातार प्रयास में जुटी है। इस बीच, बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के छतौनी थाना क्षेत्र से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र को साइबर फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड करने के आरोप में छतौनी थाना के बरियारपुर से हर्ष कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ट्रेन टीएस-01 को नई दिल्ली में डीएमआरसी की 22वीं वर्षगांठ के अवसर पर सजाया गया है। 24 दिसंबर, 2002 को हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई इस विरासत ट्रेन ने 27 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है और 5.4 करोड़ से अधिक यात्रियों को सुरक्षित रूप से परिवहन किया है और आज भी रेड लाइन पर चल रही है।

भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा संदिग्ध मारा गया : पुलिस

नई दिल्ली (ए)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने गंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार देर रात की है। गंगानगर के जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि यह घटना केसरीसिंहपुर इलाके के एक गांव के पास हुई जब एक संदिग्ध व्यक्ति ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि संदिग्ध भारतीय सीमा में लगे खंभे की तरफ आने की कोशिश कर रहा था। बीएसएफ के जवानों ने उसे चेतावनी दी। जब वह नहीं रुका तो जवानों ने गोली चला दी। इसमें उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध के पास पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और कुछ अन्य सामान मिला है। उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के सुशासन ने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : राजनाथ सिंह

लखनऊ (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ऐसा सुशासन दिया, जिसने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और उनके कार्यकाल में आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 8.4 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो स्वतंत्र भारत की एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही। सिंह ने यहां लोकभवन में सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन की परिके तहत हर व्यक्ति की जरूरतें पूरी होती हैं, वह सुरक्षित महसूस करता है और उसे अपने विचार रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि अटल जी के दृष्टिकोण को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने अटल जी की ऐतिहासिक योजनाओं को याद करते हुए कहा कि उनकी दूरदृष्टि ने भारत को सड़कों, दूरसंचार और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में नई दिशा दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अंत्योदय योजना जैसे अभियानों ने भारत के गांवों और गरीबों की जिंदगी बदल दी। उन्होंने कहा, अटल जी ने न केवल शहरों को सड़कों से जोड़ा, बल्कि गांवों को भी जोड़ा। दूरसंचार क्षेत्र में क्रांति लाकर उन्होंने हर हाथ में मोबाइल का सपना पूरा किया। मोदी सरकार ने 1,500 से अधिक अनावश्यक कानूनों को खत्म कर कारोबारी सुगमता में भारत को 50वें पायदान पर पहुंचाया। जल्द ही भारत शीर्ष 20 देशों में शुमार होगा। उन्होंने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) योजना की सफलता पर जोर देते हुए कहा कि अब गरीबों को सीधे उनके खाते में पैसा पहुंचता है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस मुख्यालय का दौरा किया

नई दिल्ली (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने क्रिसमस के अवसर पर यहां कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) मुख्यालय और सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च का दौरा किया। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, जैसा कि हम ईसा मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं, आइए हम देने की भावना, शांति की खोज, आशा की शक्ति और एक राष्ट्र के रूप में हम कैसे प्रेम, करुणा और सद्भाव के मूल्यों को अपना सकते हैं और बढ़ा सकते हैं, इसका भी जश्न मनाएं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह सभी देशवासियों की खुशी और कल्याण की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, हमारा राष्ट्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र से निर्देशित होकर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे और सभी भारतीयों के योगदान से विकसित भारत 2047 के अपने लक्ष्य तक पहुंचे। आप सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोमवार को सीबीसीआई का दौरा किया था।

बहराइच में 70 लाख रुपये कीमत की चरस जब्त की गई, नेपाली महिला गिरफ्तार

बहराइच (ए)। बहराइच जिले के रुपईडीहा में भारत-नेपाल सीमा के पास पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के संयुक्त दल ने 70 लाख रुपये कीमत की 364 ग्राम चरस जब्त की और तस्करी के आरोप में एक नेपाली महिला को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सशस्त्र सीमा बल 42वीं वाहिनी के कार्यवाहक सेनानायक राज रंजन ने बताया कि खुफिया सूचना पर एसएसबी और उत्तर प्रदेश पुलिस के एक संयुक्त दल ने मंगलवार को रुपईडीहा चौकी पर एक नेपाली महिला को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उसके पास से 364 ग्राम मादक पदार्थ (चरस) बरामद किया गया जिसे उसने अपनी कमर पर लपटे एक छोटे बैग में छिपाया हुआ था।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जाना विनोद कांबली का हाल, पूर्व क्रिकेटर के लिए 5 लाख रुपए मदद की घोषणा

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली को 5 लाख रुपये की निजी सहायता देने की घोषणा की गई है। कांबली 90 के दशक के स्टाइलिश बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे हैं। फिलहाल उनकी स्वास्थ्य स्थिति ठीक नहीं है और उनको ठाणे (भिवंडी) के आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जैसे ही कांबली के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिली, उनके आदेशानुसार उनके ओएसडी मंगेश चिवटे ने उनसे मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आकृति अस्पताल के डॉक्टरों से कांबली के लिए सर्वोत्तम इलाज सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया। विनोद कांबली पिछले कुछ दिनों से बीमार हैं। चिवटे के अनुसार, कुछ दिन पहले आकृति अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम कांबली के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए बांद्रा स्थित उनके आवास पर गई थी। उस समय उन्होंने कांबली के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सलाह दी कि यदि संभव हो तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाए।

इसके बाद कांबली के परिवार ने उन्हें आकृति अस्पताल में भर्ती कराया।वहीं, क्रिकेटर विनोद कांबली की मौजूदा स्थिति को देखते हुए कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीकांत शिंदे ने कांबली को 5 लाख रुपये की निजी सहायता देने की घोषणा की है। यह मदद श्रीकांत शिंदे की फाउंडेशन के माध्यम से की जाएगी। यह सहायता अगले सप्ताह प्रदान की जाएगी तथा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे आने वाले दिनों में भारत के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज को और सहायता प्रदान करते रहेंगे।अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम कांबली का इलाज कर रही है।

महाकुंभ की तैयारी को लेकर सपा मुखिया अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने वीडियो जारी कर सवाल उठाए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार में 'प्रयागराज महाकुंभ 2025' की तैयारी की सच्चाई। कम से कम पुलिस विभाग का काम तो बहुत पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था क्योंकि सुरक्षा चक्र का प्रबंधन किसी अंतिम दिन की प्रतीक्षा नहीं करता है। प्रयागराज की आहत जनता पूछ रही है कि महादानी सम्राट हर्षवर्धन की प्रतिमा हटाने के लिए तो भाजपा सरकार बहुत तत्पर थी पर वैसी तेजी प्रशासनिक प्रबंधन के लिए क्यों नहीं दिखाई जा रही है। प्रबंधन करते समय प्रयागराज और मेला क्षेत्र के आसपास की स्थानीय जनता की जरूरतों और समस्याओं को नजरअंदाज करने की जो शिकायतें मिल रही हैं, उनका भी तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने आगे लिखा कि प्रयागराज के निवासियों के बीच किसी इमरजेंसी के घटित होने पर आवागमन और परिवहन को लेकर मन में जो चिंता है, उसके निराकरण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाए। हम चाहते हैं महाकुंभ भी चले और प्रयागराज भी गतिमान रहे।सपा प्रमुख ने कहा कि अगर शासन-प्रशासन महाकुंभ की तैयारी में विफल हो गया है तो सहायता करने के लिए हम अपने सच्चे-समर्पित कार्यकर्ता भेजने का प्रस्ताव रखते हैं क्योंकि भाजपा वाले तो कहीं खाने-कमाने या चुनाव के जोड़-जुगाड़ में लगे होंगे। ज्ञात हो कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है। इसका आयोजन प्रमुख रूप से चार पवित्र स्थलों- प्रयागराज, नासिक, उज्जैन और हरिद्वार में होता है। इस महापर्व का साधु-संतों और श्रद्धालुओं द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जाता है।

ओबीसी कोटे पर फैसला होने के बाद महाराष्ट्र निकाय चुनाव अप्रैल 2025 तक हो सकते हैं : बावनकुले

नागपुर (ए)। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अगर उच्चतम न्यायालय जनवरी के पहले सप्ताह में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण पर अपना फैसला दे देता है तो राज्य में स्थानीय निकायों के लंबित चुनाव मार्च-अप्रैल 2025 में होंगे। बावनकुले ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ओबीसी के लिए कोटे पर सुनवाई जनवरी के पहले सप्ताह में शीर्ष अदालत में सूचीबद्ध है। राजस्व मंत्री ने कहा, ''राज्य चुनाव आयोग चुनाव कराएगा और राज्य सरकार पूरी सहायता प्रदान करेगी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित अधिकांश नगर निगमों और राज्य के अन्य स्थानीय निकायों का पांच साल का कार्यकाल 2022 में समाप्त हो रहा है। उच्चतम न्यायालय ने दिसंबर 2021 में फैसला दिया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित 'तीन कसौटियों' को पूरा नहीं करती। तीन कसौटियों के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर आंकड़े एकत्र करने के लिए एक समर्पित आयोग स्थापित करने की आवश्यकता थी। ताकि आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण का अनुपात तय किया जा सके, तथा यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसा आरक्षण एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो। बावनकुले ने कहा कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि महाराष्ट्र में वक्फ बोर्ड ने निजी धर्मार्थ न्यासों और शैक्षणिक संस्थानों की कई संपत्तियों पर जबरन कब्जा कर लिया है।

नई दिल्ली में संसद भवन के पास एक व्यक्ति द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने के बाद दिल्ली पुलिस के अधिकारी रेल भवन के पास घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। व्यक्ति को गंभीर रूप से जल जाने के बाद तुरंत आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। घटनास्थल से दो पन्नों का सुसाइड नोट बरामद किया गया है और अधिकारी व्यक्तिगत संघर्ष को संभावित कारण के रूप में जांच कर रहे हैं।

पटना में बीपीएससी छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी, अभ्यर्थियों ने पुलिस पर लगाया लाठीचार्ज का आरोप

पटना (ए)। 70वीं बीपीएससी परीक्षा की दोबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है। एक अभ्यर्थी ने कहा कि हम सिर्फ शांतिपूर्वक अपनी मांगें (बीपीएससी के सामने) रखना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज करना शुरू कर दिया। हम पिछले 8 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एक अन्य अभ्यर्थी ने कहा कि हम बदमाश नहीं हैं लेकिन हमें पीटा गया है। हम बीपीएससी से मांग करते हैं कि वह हमारी मांगों को सुने और उन्हें पूरा करे। छात्र ने कहा कि आज एक अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली है. इससे हम नाराज हैं, फिर भी हम बीपीएससी गए। हमारी कोई नहीं सुन रहा और पुलिस हमें पीट रही है। बुधवार को, प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर बीपीएससी कार्यालय की ओर मार्च किया, जिसके कारण पुलिस के साथ उनका टकराव हुआ। बढ़ती स्थिति ने अधिकारियों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। इस बीच, इस घटना से अभ्यर्थियों में आक्रोश फैल गया है, जिनमें से कई ने पुलिस की प्रतिक्रिया की आलोचना की और अपना विरोध जारी रखने की कसम खाई। परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आयोग कार्यालय का घेराव करने जुटे बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर अपनी शिकायतें व्यक्त करते हुए अभ्यर्थी पिछले कई दिनों से गर्दनीबाग में धरना दे रहे थे। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने इस महीने की शुरुआत में आयोजित 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) 2024 को रद्द करने से इनकार कर दिया था, जो प्रश्न पत्र लीक के आरोपों में घिर गई थी। हालाँकि, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि बीपीएससी 13 दिसंबर को बापू परीक्षा परिसर परीक्षा केंद्र में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों की पुन: परीक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है।

इवेंट में अंदाज देखने लायक था माधुरी दीक्षित का

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित एनमैक में अपने पति श्रीराम नेने के साथ आर्ट कैफे की लॉन्च पर आईं, तो उनका अंदाज देखने लायक था। जहां गुलाबी रंग की स्टनिंग आउटफिट में वह बेहद ग्लैमरस लगीं और सारी लाइमलाइट लूट ली।

हसीना ने यहां स्टाइल के साथ ही एलिगेंस और क्लास का परफेक्ट कॉम्बिनेशन दिखाया। जिसे देख हर कोई उन पर लट्टू हो गया। कभी माधुरी साड़ी पहन सोने के गहनों में लदकर या बॉसी लुक अपनाकर अपनी अदाओं से दूसरी हसीनाओं को मात दे जाती हैं, तो इस बार उन्होंने तानिया खनूजा की ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन कहर ढाया। जिसकी कीमत इंटरनेट पर 72,800 रुपये दी गई है। वहीं, उन्हें कंपनी देते मिस्टर नेने वाइट शर्ट और ब्लैक सूट- बूट में काफी डैशिंग लगे। जिसके ब्लेजर पर हुआ डिजाइन इसे यूनिक लुक दे रहा, तो वह माधुरी के स्टाइल को कॉम्प्लिमेंट कर गए। माधुरी की इस ड्रेस के अपर पोर्शन को पिंक कलर के साटन फैब्रिक से बनाया गया है। जिसे ऑफ शोल्डर लुक देकर प्लंजिंग नेकलाइन बनाई और बैक पर भी नेकलाइन को स्टाइलिश लुक दिया। वहीं, स्कर्ट पर थ्रेड से की गई डीटेलिंग कमाल की लगी। जिसमें बैक साइड में स्लिट कट दिया, जिससे वॉक करने में आसानी हुई।

अपने इस स्टाइलिश लुक को माधुरी ने मिनिमल एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया, जिन्होंने लुक को इनहैंस कर गया। दोनों हाथों में उन्होंने डायमंड रिंग्स पहनी, तो ईयररिंग्स भी शानदार लगे। वहीं, सिल्वर हाई हील्स के साथ हसीना अपने लुक को कॉम्प्लिमेंट कर गई। जिसमें उन्हें देख किसी भी यंग एक्ट्रेस का नूर फीका पड़ जाए। अब अगर बात करें माधुरी के अपने लुक को स्टाइल करने की, तो उन्होंने पिंक लिप्स के साथ इसे सटल लुक दिया और ब्लश्ड चीक्स चेहरे पर शाइन ले आए। वहीं, बालों को साइड पार्टीशन के साथ हसीना ने सॉफ्ट कर्ल किए। जिसमें उनका अंदाज परफेक्ट लगा।

बता दें बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित की दीवानगी आज भी लोगों के बीच कम नहीं हुई है। तभी तो बड़े पर्दे पर राज करने वाली ये हसीना जिस भी इवेंट का हिस्सा बनती हैं, अपने अंदाज से सुर्खियां बटोर ही लेती हैं। न सिर्फ वह अपनी खूबसूरती से सबको दीवाना बनती हैं, बल्कि उनका ड्रेसिंग सेंस भी कमाल का है। चाहे वह सूट- साड़ी पहने या फिर वेस्टर्न लुक में नजर आए, उनका बढ़ती उम्र में भी स्टाइल कई यंग एक्ट्रेसेस पर भारी पड़ जाता है।

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू, सामने आई तस्वीर

सनी देओल की बॉर्डर 2 की शूटिंग आखिरकार शुरू हो गई है. मेकर्स ने सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारों से सजी फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है. इस फिल्म की शूटिंग ने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है.

मेकर्स ने बॉर्डर 2 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है और फैंस को बताया कि फिल्म की शूटिंग शूरू हो गई है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा है, सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की मुख्य भूमिका वाली यह अनुराग सिंह की निर्देशित फिल्म, सिनेमा के दिग्गज भूषण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने शुरू कर दिया है. यह फिल्म अनदेखे एक्शन, ड्रामा और देशभक्ति का वादा करती है. अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें: बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी.

'अब मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं..', पेट डॉग के निधन पर टूटीं तृषा, काम से ब्रेक लिया

हर तरफ क्रिसमस की धूम है। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक, आज क्रिसमस सेलिब्रेट कर रहे हैं लेकिन अभिनेत्री तृषा कृष्णन के घर में मातम छा गया है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस खबर को अपने फैंस के साथ साझा किया है। यही नहीं, अभिनेत्री ने एक इमोशनल नोट भी साझा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने अपने इस करीबी के लिए क्या पैगाम दिया है। आइए जानते हैं।

तृषा पर टूटा दुखों का पहाड़

हाल ही में, अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने प्रशंसकों के साथ साझा किया है कि उनके पेट डॉग जोरो का निधन हो गया है। अभिनेत्री के घर क्रिसमस के दिन यह दुर्घटना हुई है। तृषा ने अपना दुख व्यक्त करते हुए लिखा, "मेरे बेटे जोरो का इस क्रिसमस की सुबह जल्दी निधन हो गया। जो लोग मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, वे जानते हैं कि मेरे जीवन का अब कोई मतलब नहीं है। मैं और मेरा परिवार टूट गए हैं और सदमे की स्थिति में हैं।"

पोस्ट कर इमोशनल हुईं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं अब अपने काम से कुछ समय के लिए छुट्टी ले लूंगी और अपने काम से दूर रहूंगी।" अभिनेत्री की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में उनके फैंस जोरो को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। यही नहीं खुशबू सुंदर ने अभिनेत्री की पोस्ट के नीचे टिप्पणी की, "ओह नहीं। यह नहीं होना चाहिए था। मजबूत रहो।" हंसिका मोटवानी ने भी जोरो के निधन पर शोक व्यक्त किया और लिखा, "उनकी आत्मा को शांति मिले।"

सोशल मीडिया पर फैंस ने व्यक्त किया शोक

तृषा के फैंस ने भी शोक व्यक्त करते हुए लिखा, 'पेट डॉग का जाना सच में काफी दुख देने वाला होता है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं समझ सकता हूं कि यह दुख कितना असहनीय होता है। मजबूत रहो तृषा।' एक और यूजर ने लिखा,'जब हमारा सबसे अच्छा और सच्चा दोस्त इस दुनिया को अलविदा कह दे तो सच में काफी दुख होता है।'

ईशा अंबानी ने ससुर के साथ मॉर्डन साड़ी में मारी एंट्री, देखते रह गए लोग

अंबानी परिवार की लाडली ईशा अंबानी अक्सर अंबानी फैमिली के इवेंट्स में नजर आती हैं और अपना स्टनिंग अंदाज दिखा जाती हैं। जिसमें उनका अंदाज कई बार बहुरानी ईशा की मां यानी कि अपनी समधन नीता अंबानी को भी मात दे जाता है। ऐसा ही नजारा एनमेक में एक लॉन्च इवेंट के दौरान देखने को मिला। जहां ईशा की सासू मां स्वाति पीरामल काले कपड़ों में अपना स्टाइलिश रूप दिखा गईं। साथ में उनके पति अजय पीरामल भी सूट पहन उनके साथ ट्विनिंग करते दिखे। जिसमें दोनों का लुक शानदार लगा और वह छा गए। आइए उनके लुक पर नजर डालते हैं। ऑर्ट कैफे के लॉन्च इवेंट में अंबानी फैमिली के साथ ही बॉलीवुड सितारों का भी तांता लगा। लेकिन, यहां स्वाति पीरामल का सबसे अलग अंदाज देखने को मिला। जिन्होंने ग्रे और ब्लैक कलर की आउटफिट पहन इवेंट में अपने पति के साथ एंट्री ली, जो भी सेम कलर कॉम्बिनेशन में दिखे। उन्होंने ग्रे बंदगला जैकेट और ब्लैक पैंट्स पहनी। जिसमें ईशा के ससुर जी का स्टाइल हमेशा की तरह बिना किसी तामझाम के बढ़िया लगा। अक्सर साड़ी पहन जलवा बिखेरने वाली स्वाति पीरामल यहां वेलवेट का ब्लैक ब्लेजर पहनकर आईं। जिसे ग्रे ब्लैक शेड की ड्रेस के साथ पेयर किया। जिसमें अपर पोशर्न जैकेट से छुप गया है, तो नीचे का एरिया प्लेन स्कर्ट जैसा लगा और ये उनकी मॉर्डन साड़ी बन गई।

जिसके साथ वह मैचिंग दुपट्टा भी ओढ़े दिखीं। जिसके बॉर्डर पर ब्लैक थ्रेड से एम्ब्रॉयडरी की गई है। जिसमें न सिर्फ स्वाति खूबसूरत लगीं, बल्कि उनका इसे स्टाइल करने का अंदाज भी परफेक्ट लगा। बता दें कि अंबानी परिवार की लाडली ईशा अंबानी बिजनेसवुमन होने के साथ ही फैशनिस्टा भी हैं। वह जब भी किसी इवेंट में नजर आती हैं अपने स्टाइल से सबका दिल जीत लेती हैं। लेकिन, इस मामले में उनकी सासू मां का अंदाज भी काफी निराला है।

अर्जुन कपूर के 'मैं सिंगल हूं' बयान पर मलाइका ने पहली बार तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'ये उनकी समझ है'

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई साल रिलेशनशिप में रहे। दोनों के प्यार के चर्चे मीडिया की सुर्खियां बने। दोनों की बॉन्डिंग और प्यार देख फैंस इनकी शादी के कयास लगा ही रहे थे कि खबरें ब्रेकअप की आ गईं। दोनों की राहें अब जुदा हैं। फिल्म 'सिंघम 3' के प्रमोशन के दौरान अर्जुन कपूर अपना रिलेशनशिप स्टेटस स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं अब सिंगल हूं'। एक्टर की इस टिप्पणी पर हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने प्रतिक्रिया दी है।

बोलीं- ये उनकी समझ है

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के खुद को सिंगल बताने के कमेंट पर रिएक्ट किया है। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी निजी जिंदगी के कुछ पहलुओं को निजी रखना पसंद करती हैं। मलाइका ने ई-टाइम्स के साथ बातचीत में यह कहा। मलाइका ने कहा, 'मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करने के लिए कभी भी पब्लिक प्लेटफॉर्म नहीं चुनूंगी। अर्जुन ने जो भी कहा, वह उनकी समझ है। उनका विशेषाधिकार है'।

'कपूर्स' का क्रिसमस

क्रिसमस पर साथ नजर आया पूरा कपूर खानदान, आलिया की गोद में क्यूट राहा को देखा क्या?

कपूर परिवार में क्रिसमस खास अंदाज में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन पूरा परिवार एक साथ लंच करता है। इस बार भी यह आयोजन रखा गया। इस साल क्रिसमस लंच दिवंगत एक्टर शशि कपूर के घर रखा। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, रीमा कपूर और रणधीर कपूर सहित पूरा कपूर परिवार वहां इकट्ठा हुआ। इस दौरान बेबी राहा सारी लाइमलाइट लूट ले गईं।

आलिया बोलीं- 'शोर नहीं'

बीते साल क्रिसमस के मौके पर ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने फैंस को अपनी बिटिया की पहली झलक दिखाई थी। इस साल भी उन्होंने फैंस का दिन बना दिया है। क्यूट राहा को क्रिसमस के मौके पैपराजी से मिलवाया गया। हालांकि, राहा को मीडिया के सामने लाने से पहले आलिया भट्ट ने यह सुनिश्चित किया कि ज्यादा शोर न हो। फिर रणबीर कपूर बेटी को गोद में लेकर आए। राहा भी हंसती-मुस्कुराती हुई मीडिया को पोज देती दिखीं।

राहा ने कहा- 'हाय फैंस'

बेबी पिंक और व्हाइट कलर की फ्रॉक में राहा बहुत प्यारी लगीं। वहीं, आलिया भट्ट रेड कलर के वनपीस में नजर आईं। पैपराजी के सामने आकर राहा ने हाथ हिलाते हुए कहा, 'हाय फैंस'। इसके बाद उन्होंने फ्लायंग किस दिया। पूरे टाइम राहा अपने पापा की गोद में रहीं। कैमरों की लाइट और पैपराजी के शोर के बीच वह थोड़ी असहज भी नजर आईं। यह वीडियो डिजिटल क्रिएटर मानव मंगलानी के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया है।

कियारा आडवाणी ने 13 दिनों में फिल्माया अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर का गाना

जल्द ही अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने पहली बार 13 दिनों के लंबे शेड्यूल में एक गाने की शूटिंग की है।सोमवार को अभिनेत्री कबीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर के गाने 'धोप' के लिए रिहर्सल करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।कैप्शन में, कियारा ने खुलासा किया कि यह पहली बार था, जब उन्होंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने को ऐसे सेट पर फिल्माया, जो डिज्नीलैंड जैसा महसूस हुआ।क्लिप शेयर करते हुए आडवाणी ने लिखा, गेम चेंजर के पहले शेड्यूल के लिए रिहर्सल के पहले दिन की एक झलक। हमने फिल्म की शुरुआत खूबसूरती से तैयार किए गए गाने धोप' की शूटिंग के साथ की।अभिनेत्री ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने की शूटिंग ऐसे सेट पर की, जिसने मुझे ऐसा महसूस कराया कि मैं डिज्नीलैंड में हूं। मैं सोच रही थी कि हम यह कैसे करने जा रहे हैं, लेकिन यही हमारे काम की खूबसूरती है कि हम हमेशा कुछ नया सीखते हैं। गेम चेंजर में चरण ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें कियारा, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होने वाली है।

क्या सभी सलाद ड्रेसिंग होती हैं सेहतमंद जानिए इस मिथक की सच्चाई

सलाद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है, क्योंकि इसमें कई पौष्टिक सब्जियां शामिल होती हैं। लोगों का मानना है कि इसमें इस्तेमाल होने वाली ड्रेसिंग भी सेहतमंद होती हैं।हालांकि, बाजार में मिलने वाली कई ड्रेसिंग में अधिक मात्रा में शक्कर, सोडियम और अप्राकृतिक तत्व होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि सभी सलाद ड्रेसिंग सेहतमंद होती हैं या नहीं।

घर पर बनी ड्रेसिंग हैं बेहतर विकल्प

घर पर बनी सलाद ड्रेसिंग अक्सर बाजार में मिलने वाली सलाद ड्रेसिंग की तुलना में ज्यादा सेहतमंद होती है। इसमें आप जैतून का तेल, नींबू का रस, नमक और काली मिर्च जैसी ताजी और प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं।इसके अलावा, आप इसमें अपनी पसंद के अनुसार जड़ी बूटियां और मसाले भी डाल सकते हैं। इससे न केवल सलाद का स्वाद बढ़ता है, बल्कि यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है।

चीनी और सोडियम की मात्रा पर ध्यान दें

बाजार में मिलने वाली सलाद ड्रेसिंग में अधिक मात्रा में शक्कर और सोडियम होता है। अगर आप इन्हें नियमित रूप से खाते हैं तो ये तत्व आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं।इसलिए हमेशा लेबल पढ़ें और कम शक्कर व सोडियम वाली ड्रेसिंग चुनें। इसके अलावा, कोशिश करें कि ड्रेसिंग में प्राकृतिक सामग्री हो और अप्राकृतिक तत्व न हों।इस तरह आप अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और सलाद को सचमुच सेहतमंद बना सकते हैं।

अप्राकृतिक तत्वों से बचें

कई सलाद ड्रेसिंग में अप्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए अच्छे नहीं होते। इनमें प्रिजर्वेटिव्स, आर्टिफिशियल फ्लेवर्स और रंग शामिल हो सकते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं।इनसे बचने के लिए हमेशा प्राकृतिक सामग्री वाली या घर पर बनाई गई ड्रेसिंग का उपयोग करें।घर पर बनी ड्रेसिंग में आप ताजी सामग्री का उपयोग कर सकते हैं, जिससे न केवल स्वाद बढ़ता है, बल्कि स्वास्थ्य का भी समर्थन होता है।

कैलोरी की मात्रा को नजरअंदाज न करें

सलाद को सेहतमंद मानते हुए हम अक्सर उसकी ड्रेसिंग की कैलोरी को नजरअंदाज कर देते हैं। कुछ तैयार सलाद ड्रेसिंग बहुत ज्यादा कैलोरी युक्त होती हैं, जो आपके वजन बढने का कारण बन सकती हैं।इसलिए हमेशा कम कैलोरी वाली ड्रेसिंग चुनें या फिर घर पर ही हल्की-फुल्की सामग्री से अपनी खुद की ड्रेसिंग बनाएं।सभी सलाद ड्रेसिंग सेहतमंद नहीं होती हैं। सही जानकारी और समझदारी के साथ इनका चुनाव करना जरूरी है, ताकि आप स्वस्थ बने रहें।

वॉल बॉल सिट-अप्स : जानिए इस एक्सरसाइज को करने का तरीका और इसके फायदे

वॉल बॉल सिट-अप्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूत देने में मदद कर सकती है। इसमें वॉल बॉल का इस्तेमाल होता है, जिसे हाथों में पकड़कर सिट-अप्स किए जाते हैं।इसे करने से शरीर की सहनशक्ति और संतुलन में सुधार होता है। अगर आप अपने फिटनेस रूटीन में कुछ नया जोड़ना चाहते हैं तो वॉल बॉल सिट-अप्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है।आइए इस एक्सरसाइज से जुड़ी महत्वपूर्ण बाते जानते हैं।

वॉल बॉल सिट-अप्स करने का तरीका

वॉल बॉल सिट-अप्स करने के लिए सबसे पहले जमीन पर लेट जाएं और अपने घुटनों को मोड़ें।अब एक वॉल बॉल लेकर उसे दोनों हाथों से पकड़ें। धीरे-धीरे अपनी पीठ को ऊपर उठाएं और गेंद को भी ऊपर ले जाएं।ध्यान रखें कि पीठ सीधी रहे और गर्दन पर जोर न पड़े। जब आप पूरी तरह से बैठ जाएं तो गेंद को वापस नीचे लाएं और फिर धीरे-धीरे लेट जाएं।इस प्रक्रिया को 10 से 15 बार दोहराएं।

वॉल बॉल सिट-अप्स के करने के फायदे

वॉल बॉल सिट-अप्स करने से शरीर के कई हिस्से मजबूत होते हैं। यह एक्सरसाइज खासतौर से पेट की मांसपेशियों पर काम करती है, जिससे वे मजबूत होती हैं। इसके अलावा यह आपकी पीठ की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है, जिससे आपको कमर दर्द जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है।इस एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बेहतर होता है और शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है।

एक्सरसाइज करते समय बरतें ये सावधानियां

वॉल बॉल सिट-अप्स करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता हैं ताकि चोट लगने का खतरा ना हो।सुनिश्चित करें कि आपने सही आकार वाली वॉल बॉल चुनी हो, जो ज्यादा भारी या हल्की ना हो ।इसके अलावा अपनी पीठ सीधी रखें ताकि रीढ़ की हड्डी पर दबाव ना पड़े।गर्दन पर ज्यादा जोर डालने से बचें। अगर आपको कोई दर्द महसूस होता हैं तो तुरंत रुक जाएं।

इस एक्सरसाइज को अन्य एक्सरसाइज के साथ मिलाकर कैसे करें

वॉल बॉल सिट-अप्स के साथ अन्य एक्सरसाइज जोड़कर आप अपने फिटनेस रूटीन में विविधता ला सकते हैं ।जैसे कि प्लैंक या पुश-अप जैसी एक्सरसाइज शामिल कर सकते हैं, जो पूरे शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद करती हैं।इसके अलावा स्क्वाट या लंजेस जैसी एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों पर काम करती हैं। इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन करके आप पूरे शरीर का बेहतरीन कसरत प्राप्त कर सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से जीतने होंगे दोनो मैच

मुम्बई (ए.)। अगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कौन सी चार टीमें पहुंचेंगी। ये अभी तक तय नहीं हुआ है। फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीद अभी दो टेस्टमैच होने हैं और भारतीय टीम को अगर सीधे फाइनल में जगह बनानी है तो इन दोनो को ही जीतना होगा।अभी डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका पहले नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका के 10 मैचों में से 6 जीत, तीन हार और एक ड्रॉ से 76 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 63.33 है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के 15 मैचों में 9 जीत, चार हार और 2 ड्रॉ से 106 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 58.89 है। तीसरे नंबर पर मौजूदा भारत के 17 मैचों में 9 जीत, 6 हार और 2 ड्रॉ से 114 अंक हैं। भारत का अंकों का प्रतिशत 55.88 है। भारतीय टीम को अभी दो मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलने हैं।उधर श्रीलंकाई टीम पांचवें नंबर पर है पर उसके भी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं कम हैं। श्रीलंकाई टीम के 45.45 प्रतिशत अंक हैं और वह अधिकतम 53.85 प्रतिशत अंकों तक पहुंच सकती है। 48.21 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है, जो रेस से बाहर हो चुकी है। इंग्लैंड छठे, पाकिस्तान सातवें, बांग्लादेश आठवें और वेस्टइंडीज नौवें स्थान पर है।

कोंस्टास के सामने बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी : पोंटिंग

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। लेकिन उनके सामने जसप्रीत बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी।

कोंस्टास (19) गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्हें नैथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया की 2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए शतक बनाया। 11 प्रथम श्रेणी मैचों में कोंस्टास ने 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट नहीं खेलेगा राशिद खान, टीम को लगा बड़ा झटका, भरपाई मुश्किल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। पूरी दुनिया में क्रिसमस की धूम है लेकिन क्रिसमस के ठीक एक दिन बाद यानी 26 दिसंबर से क्रिकेट के फैंस के लिए जैसे महोत्सव शुरु हो रहा है. बॉक्सिंग डे पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 3 टेस्ट शुरु हो रहे हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में शुरु हो रहा है. वहीं साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान की टीम भी सेंचूरियन में भिड़ेगी. तीसरा टेस्ट जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बुलावायो में खेला जाएगा. इस टेस्ट से एक दिग्गज खिलाड़ी बाहर हो गया है. जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बीच होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान बाहर हो गए हैं. अफगानिस्तान के लिए ये एक बहुत बड़ा झटका है. राशिद जितने अच्छे स्पिनर हैं उतने ही अच्छे निचले क्रम के बल्लेबाज हैं. इसलिए उनका टीम से बाहर होना अफगानिस्तान के लिए झटका है और टीम के लिए इसकी भरपाई मुश्किल है.राशिद खान के बॉक्सिंग डे मैट से बाहर रहने की वजह एक चैरिटी इवेंट है जिसमें राशिद को भाग लेना है. बता दें कि अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट की व्यस्तता के बीच राशिद सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं. इसी वजह से उन्होंने आगामी टेस्ट से भी बाहर रहने का फैसला लिया है और इसमें उन्हें उनकी टीम मैनेजमेंट का सहयोग मिला है. राशिद खान 3 साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं. बॉक्सिंग डे टेस्ट को उनका वापसी टेस्ट माना जा रहा था लेकिन अब वे 2 जनवरी से शुरु हो रहे टेस्ट में प्लेइंग इलेवन में वापसी करेंगे. राशिद खान सिर्फ 5 टेस्ट मैच खेले हैं और 34 विकेट चटका चुके हैं. 137 रन देकर 7 विकेट उनका श्रेष्ठ प्रदर्शन है. वे 4 बार 5 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं.

कोंस्टास वार्नर के क्लोन नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं : चैपल

नई दिल्ली,(ए)। किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण बॉक्सिंग डे टेस्ट में एमसीजी में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्रेग चैपल का मानना है कि यह युवा खिलाड़ी पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का स्वाभाविक उत्तराधिकारी है, न कि उनका क्लोन।

सैम कोंस्टास बॉक्सिंग डे पर 468वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट खिलाड़ी बन जाएंगे। 19 वर्षीय खिलाड़ी 2011 में 18 वर्षीय पैट कमिंस के पदार्पण के बाद बैगी ग्रीन में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे।

चैपल ने द एज के लिए अपने कॉलम में लिखा, केवल 19 वर्ष की उम्र में, कोंस्टास इतिहास के शिखर पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग डे पर उनका पदार्पण रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों है। कोंस्टास के पास शानदार रन बनाने और तेजी से अनुकूलन करने का स्वभाव और क्षमता है।

कोंस्टास को सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी की जगह शामिल किया गया है, जिनके स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं द्वारा गाबा में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के दौरान दो एकल अंकों के स्कोर के बाद काफी बहस हो रही थी। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चयनकर्ताओं का काम चैंपियन को तलाशना है, न कि उन खिलाड़ियों को चुनना जो नंबर बनाते हैं। अगर आप सही खिलाड़ी चुनते हैं, भले ही आपको भविष्य में किसी समय उन्हें बाहर करना पड़े, तो वे इस बात पर विचार करेंगे कि उन्हें किस तरह के सुधार की जरूरत है और वे मजबूत होकर वापसी करेंगे।कोंस्टास शेफील्ड शील्ड के शुरुआती दौर में साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो शतक बनाकर सुर्खियों में आए।

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे है : शास्त्री

मेलबर्न, ,(आरएनएस)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो। भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा।

शास्त्री ने न्यूज़डॉटकॉमडॉटएयू से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है।

उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा।

शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

मैं सोच रही थी कि मेरी मां मेरे पहले वनडे शतक पर कितनी खुश होंगीः हरलीन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत की बल्लेबाज हरलीन देओल, जिन्होंने वेस्टइंडीज पर 115 रनों की जीत में अपना पहला वनडे शतक बनाया, ने कहा कि वह सोच रही थी कि उनकी मां उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार शतक बनाते हुए देखकर कितनी खुश होंगी।

वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में, हरलीन ने 103 गेंदों पर 115 रन बनाए, जिसमें 16 चौके शामिल थे, जिससे भारत ने 358/5 का स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका संयुक्त उच्चतम स्कोर है। उन्होंने 62 गेंदों पर अपना अर्धशतक बनाया, और फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए 98 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।

मेरी मां हमेशा यही कहती रहती है कि भगवान उन्हें खुशियां देते हैं जो उन्हें बांटते हैं। जो लोग उन्हें बांटते नहीं, भगवान कहते हैं कि वे उन्हें बांट नहीं रहे हैं, क्योंकि वे इतनी छोटी सी खुशी से खुश नहीं होंगे। यह भगवान की योजना है। आपको बस इस पर विश्वास करते रहना है। उन पर भरोसा करते रहना है। बस यही एक बात है।

बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में हरलीन ने कहा,आप यह नहीं सोच सकते कि काश मैं अगले 10 मैचों में 100 रन बना पाती । लेकिन ऐसा लगता है, यह भी संभव हो सकता है। जब मैं वहां था, तो मैं सोच रही थी कि मेरी मां कितनी खुश होगी। मुझे याद है कि जब मैं घायल हुई थी, तो हर कोई मेरे आस-पास था। लेकिन तब मेरी मां एक ऐसी इंसान थी, जो कभी इस बात से चिढ़ती नहीं थी कि मैं चल नहीं सकती।

हरलीन ने कहा, अगर आप पानी की बोतल उठाना चाहते हैं, तो आप ऐसा नहीं कर सकते।

विदेश समाचार

पाकिस्तान के अफगानिस्तान में हवाई हमले से 15 की मौत, तालिबान बोला- नहीं छोड़ेंगे

काबुल(ए.)। बीते रोज पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर दिए। इससे 15 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस हमले से तिलमिलाय तालिबानी शासन ने कहा कि ये हमारी संप्रभुता की रक्षा का सवाल है हम पाकिस्तान को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेंगे।पाकिस्तानी सेना के करीबी सूत्रों ने बताया कि हमला सीमा के पास तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया था। हालांकि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। बीते कुछ दिनों से पाकिस्तान और तालिबान हुकूमत के बीच संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है। तालिबान के क्षेत्रीय संगठन पाकिस्तानी तालिबान जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नाम से भी जाना जाता है, ने हाल के महीनों में पाकिस्तानी सेना पर लगातार हमले किए हैं जिससे पाकिस्तान को खून खौल रहा है। पाकिस्तान ने तालिबान पर इन आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगाया है। तालिबान रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खूवारज़मी ने पाकिस्तान के दावों का खंडन किया है।

जेलेंस्की का बड़ा दावा, जंग में उत्तर कोरिया के 3000 से अधिक सैनिक या मारे जा चुके हैं या घायल हो गए

कीव (ए)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस की ओर से लड़ाई में शामिल उत्तर कोरिया के 3000 से अधिक सैनिक या मारे जा चुके हैं या घायल हो गए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि आंकड़ा यूक्रेनी खुफिया विभाग द्वारा जुटाई गई जानकारी पर आधारित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस ने अगस्त 2023 से अब तक उत्तर कोरिया से करीब 12,000 सैनिकों को युद्ध में शामिल करने के लिए भेजा है। यह सैन्य सहयोग रूस और उत्तर कोरिया के बीच गहराते संबंधों को दिखाता है।जेलेंस्की ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को लेकर चेतावनी दी। जेलेंस्की ने दावा किया कि यह सहयोग न केवल युद्ध को लंबा खींचेगा, बल्कि आधुनिक सैन्य तकनीक और अनुभवों के आदान-प्रदान से वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा। दक्षिण कोरियाई सांसद ली सुंग-कों ने भी पहले जानकारी दी थी कि उत्तर कोरिया के 100 से अधिक सैनिक मारे गए हैं और करीब 1000 घायल हुए हैं। रूस ने यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में एक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। हमले में आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया, इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने कहा कि चार मंजिला इमारत के मलबे में और भी लोग फंसे हो सकते हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता ने मनाया क्रिसमस, लोगों ने पूछा टोपी वहीं खरीदी या हाट बाजर से खरीदी

वॉशिंगटन(ए.)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बीते कई महीनों से स्पेस में फंसी हैं। उनकी वापसी तकनीकी एवं अन्य कारणों के चलते अटकी हुई है। इसी बीच तीज त्योहार मनाने की तस्वीरें सामने आती रहीं हैं। आज क्रिसमस पर जश्न मनाते सुनीता एक बार फिर दिखीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने पूछा कि ये सांता की टोपी क्या वहीं सिलवाई है या अंतरिक्ष में लगी हाट से खरीदी है।

सुनीता और बुच के क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें जैसे ही सामने आईं, सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई यूजर्स ने पूछा, क्या सांता हैट और क्रिसमस की सजावट वे अपने साथ ले गए थे, या उन्होंने इसे वहीं बनाया? एक अन्य ने व्यंग्यात्मक रूप से लिखा, ये वही लोग हैं जो जून में आठ दिन के मिशन के लिए गए थे? इसके अलावा, कुछ यूजर्स ने इसे बड़ा षड्यंत्र बताते हुए दावा किया कि ये सभी तस्वीरें और वीडियो एक स्टूडियो में फिल्माए गए हैं। नासा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि आईएसएस पर भेजे गए ताजा सामान की डिलीवरी में क्रिसमस की सजावट, विशेष उपहार, और उत्सव के भोजन शामिल थे। यह डिलीवरी नवंबर के अंत में एक स्पेसएक्स के जरिए की गई थी। नासा ने बताया कि हर साल आईएसएस को ताजा राशन और आवश्यक सामग्री के साथ-साथ त्योहारों के लिए विशेष सामान भी भेजा जाता है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे नासा के अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने इस क्रिसमस को खास अंदाज में मनाया है। सैंटा हैट और क्रिसमस की अन्य सजावट पहने इन अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें हाल ही में सामने आईं, जिसमें वे उत्सव के मूड में दिखाई दिए। हालांकि इससे आशंकाओं भरे सवाल भी उठे हैं।

इससे पहले, आईएसएस पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने धन्यवाद दिवस (थैंक्सगिविंग) भी धूमधाम से मनाया था। अब वे वहीं क्रिसमस और नए साल का जश्न मना रहे हैं। सुनीता और बुच केवल आठ दिन की यात्रा के लिए गए थे, लेकिन तकनीकी और अन्य बाधाओं के कारण लगभग एक साल अंतरिक्ष में बिताने को मजबूर हैं। उनकी वापसी का कार्यक्रम अब 2025 के वसंत तक टाल दिया गया है।आईएसएस पर मौजूद सात अंतरिक्ष यात्री और कॉस्मोनॉट्स के लिए भेजे गए पैकेज में हैम, टर्की, सब्जियां, पाई और कुकीज जैसे स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ शामिल थे। इसके अलावा, सांता हैट और एक छोटा क्रिसमस ट्री भी भेजा गया था। सुनीता और बुच ने इन सजावटों के साथ अपने क्रिसमस वीडियो को ऑनलाइन साझा किया।

ट्रम्प ने 37 हत्यारों की मौत की सज़ा कम करने के लिए बाइडेन की आलोचना की

वाशिंगटन (ए)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संघीय मौत की सजा पाए 37 लोगों की सजा कम करने के लिए निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की आलोचना की तथा इसे पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के लिए झटका बताया। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "जो बाइडेन ने अभी-अभी हमारे देश के 37 सबसे बुरे हत्यारों की मौत की सज़ा कम की है। जब आप प्रत्येक के कृत्यों को सुनेंगे, तो आप विश्वास नहीं करेंगे कि श्री बाइडेन ने उनकी सजा कम कर दी है। इसका कोई मतलब नहीं। रिश्तेदारों तथा दोस्तों को इससे और दुख हुआ है। वे विश्वास नहीं कर सकते हैं कि ऐसा हो रहा है।' श्री बाइडेन ने सोमवार को संघीय मौत की सजा वाले 40 व्यक्तियों में से 37 की सजा को कम कर दिया, उनकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर भड़का अमेरिका, मोहम्मद यूनुस को फोन पर दे डाली सख्त चेतावनी

ढाका/वाशिंगटन(ए.)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और हमलों के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने गहरी चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को सख्त चेतावनी देते हुए सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस से फोन पर बातचीत की और हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर चिंता व्यक्त की। व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने धर्म की परवाह किए बिना सभी लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।संयुक्त राष्ट्र ने भी ढाका से आग्रह किया है कि वह देश के सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने हाल ही में बांग्लादेश में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है।ग्लादेश में हिंदू मंदिरों और समुदाय के सदस्यों पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। विशेष रूप से शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से हिंसा में वृद्धि देखी गई है। व्हाइट हाउस ने 13 दिसंबर को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं और अमेरिका देश की अंतरिम सरकार को धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

मौत को चकमा देकर प्लेन क्रैश में जिंदा बचे कई लोग, चमत्कार से कम नहीं ये

अक्ताऊ(ए.)। कजाकिस्तान से 110 यात्रियों के साथ रूस जा रहा एक यात्री विमान देश के अक्ताऊ शहर में हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह जानकारी कजाकिस्तान इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने दी। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्लेन तेजी से नीचे आते और जमीन से टकराने के बाद आग के गोले में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। प्लेन के क्रैश होने के बाद आसपास का नजारा बेहद खतरनाक दिख रहा है।

लेकिन शुक्र की बात ये है कि इस प्लेन हादसे में कई लोग जिंदा बच गए। किसी प्लेन हादसे में लोगों का जिंदा बचना किसी चमत्कार के कम नहीं है। स्थानीय मीडिया आउटलेट काजप्रावदा केजेड ने बताया कि इस दुर्घटना की वजह से विमान में आग लग गई। मंत्रालय ने कहा, "कजाख इमरजेंसी मिनिस्ट्री के कुल 52 राहत एवं बचाव टीमें और 11 उपकरण टीमें घटनास्थल पर बचाव कार्य के लिए भेजी गई हैं। इन टीमों के घटनास्थल पर पहुंचने पर विमान को आग की लपटों में घिरा हुआ पाया गया। फायर ब्रिगेड कर्मी फिलहाल आग बुझाने में जुटे हैं। कुछ लोगों के जीवित बचे रहने की संभावना है।" शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि विमान में 105 यात्री और चालक दल के 5 सदस्य सवार थे। हालांकि, मृतकों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। जानकारी के अनुसार इस हादसे में 28 लोग जिंदा बच गए। जिन्हें सिर्फ मामूली चोटे ही लगी है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने इछावर में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना से कार्य कर रही : राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर(निप्र)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती के अवसर पर इछावर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत कार्यक्रम एवं जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने इछावर में निर्मित अमृत पार्क का लोकार्पण एवं तीन स्थानों पर बनने वाले सार्वजनिक स्वच्छता परिसरों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह सपना था कि देश के प्रत्येक गांव में सड़के हो एवं किसानों हेतु सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हों। इस सपने को पूरा करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का निरंतर विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश का वर्चस्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहा है। सरकार सबका साथ, सबका विकास करने की भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है एवं उनके लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत बहनों को 1250 रूपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए आयुष्मान भारत योजना चलाई जा रही है। जिससे गरीब से गरीब व्यक्ति भी बड़े से बड़े निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। गरीबों के स्वयं के पक्के घर के सपने को साकार करने के लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई जा रही है।

साथी हाथ बढ़ाना की तर्ज पर चलाया स्वच्छता अभियान, गणेश मंदिर परिसर की साफ-सफाई की

सीहोर(निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशभर में स्वच्छता मिशन चलाया जा रहा है। वहीं स्कूल, कॉलेज में एनएसएस के स्वयं सेवक निष्ठा और लगन से लगे हुए हैं। स्वयं सेवकों द्वारा साथी हाथ बढ़ाना की तर्ज पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गणेश मंदिर परिसर की साफ-सफाई की गई। प्रधानमंत्री आफ एक्सीलेंस कॉलेज चंद्रशेखर आजाद सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहिताश्व शर्मा के निर्देशन में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई के स्वयं सेवकों ने गोदग्राम के अंतर्गत सार्वजनिक पूजा स्थल श्री गणेश मंदिर चिंतामन गणेश पर स्वच्छता अभियान चलाया।स्वयं सेवकों ने मंदिर परिसर के आसपास पन्नियां, पत्ते आदि की साफ-सफाई काफी देर तक की। इस दौरान स्वयं सेवकों के साथ भक्तों ने भी स्वयं सेवकों का साथ दिया। मंदिर के आसपास पार्क की साफ सफाई राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने बड़ी निष्ठा और लगन से की। इस विषय में मंदिर प्रबंधक पुजारी पृथ्वी वल्लभ दुबे ने महाविद्यालय के उपप्राचार्य स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर कैलाश विश्वकर्मा की प्रशंसा की और इस अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए प्राचार्य डॉ रोहिताश्व शर्मा को और स्वयंसेवकों को का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

प्रधानमंत्री ने किया केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास

कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुए कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न से सम्मानित स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर खजुराहो में आयोजित कार्यक्रम में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री वाजपेयी की स्मृति में स्टॉम्प और सिक्का भी जारी किया। सीहोर जिला मुख्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर प्रवीण सिंह, संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला पंचायत सीईओ नितिन टाले सहित अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कस्बा में श्रीमद् भागवत कथा के लिए हुआ भूमिपूजन

सीहोर(निप्र)। हनुमान फाटक मंदिर कस्बा सीवन नदी घाट परिसर में श्रीमद् भागवत कथा के लिए बुधवार को भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। भागवत भूषण पंडित रविशंकर तिवारी की विशेष उपस्थित में पंडित हरीशचंद्र तिवारी के सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमानों के द्वारा विधिविधान से आगामी 2 जनवरी से प्रारंभ होने जा रही संगीतमय सात दिवसीय कथा के लिए भूमि पूजन कर ध्वज लगाया गया। भागवत भूषण पंडित रविशंकर तिवारी के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का वाचन किया जाएगा। भव्य कलश यात्रा भावसार समाज धर्मशाला के पास माता हिंगलाज मंदिर से डीजे बैंड बाजों के साथ सुबह 11 बजे प्रारंभ की जाएगी। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे कथा होगी।

नगर के दो स्थानों पर भाजपा ने लगाई अटल प्रदर्शनी

सीहोर(निप्र)। भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में भारतीय जनता पार्टी मंडल बुधवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य मूर्ति पर माल्यार्पण और भगवा वस्त्र अर्पण किया। सुबह शहर के अटल चौक पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति सहित अन्य की उपस्थित में अनेक भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पांजली अर्पित कर उनकों याद किया। मंडल अध्यक्ष श्री प्रजापति ने बताया कि शहर के दो स्थानों पर पूर्व पीएम श्री बाजपेयी की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें अटल जी के जीवन, उनके विचार और योगदान को याद किया गया। प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें वाजपेयी जी की कविताएं, भाषण और उनकी राजनीतिक उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री प्रजापति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हमारे देश की शान है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, जिला महामंत्री राजकुमार गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, गोपाल सोनी, सन्नी महाजन, महेश पारिक, रवि पारे, प्रमोद त्यागी, सुनील राय, निर्देश पाटीदार, गौरव राय, कमलेश राठौर, दिलीप राठौर, संतोष शास्त्री, राजेश मांझी के अलावा अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल थे।

मानस सम्मेलन तृतीय दिवस...

ताम्रकार समाज महिला मंडल द्वारा शंकराचार्य जी का किया गया स्वागत

आष्टा (निप्र)। ताम्रकार समाज महिला मंडल द्वारा राधाकृष्ण मंदिर में पूज्य जगतगुरू 1008 शंकराचार्य श्री शारदानंद सरस्वती जी का स्वागत किया गया। ताम्रकार समाज द्वारा पूज्य गुरुदेव का साफा बांध हार माला पहनाकर स्वागत किया गया। दोपहर 12 बजे के करीब स्थानीय सम्मेलन स्थल,मानस भवन में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। तत्पश्चात मानस सम्मेलन के नियत समय पर पहुंच दीप प्रज्वलन के साथ तृतीय दिवस की शुरुवात हुई। पूज्य दीदी श्री रश्मि जी शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर तृतीय दिवस सुंदर भजन प्रस्तुति के साथ मानस सम्मेलन की शुरुवात की । अपने वक्तव्य में उन्होंने महिलाओं बच्चियों को (शिव ,पार्वती)। (श्री राम सीता) के प्रसंगों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया कि वे अपने जीवन में किस प्रकार से संस्कारों से जुड़कर रहे अपने बच्चों को संस्कारित बनाने का प्रयास करे।ताकि वे आगे आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित कर सके अपने बड़े बुजुर्गों का सम्मान करना सिख सके। शंकराचार्य जी ने कहा संसार में कौन सबसे बड़ा सुख ,और दुख क्या हे औरा सबसे बड़ा दरिद्र कौन है पूज्य जगतगुरू शंकराचार्य 1008 श्री शारदानंद सरस्वती जी ने,अपने उद्बोधन में बताया कि एक बार शिव जी से पार्वती जी ने प्रश्न किया कि जब श्री राम अपने भाई लक्ष्मण और जानकी जी के साथ वन गए थे , तब लक्ष्मण जी ने भैया राम जी से सवाल किया था कि संसार में सबसे बड़ा सुख और सबसे बड़ा दुख क्या हे। तब भगवान राम ने जवाब दिया था कि संसार में न तो सुख स्थाई हे और न दुख स्थाई हे ,यदि आपको दुख आए तो घबराना नहीं चाहिए और सुख आए तो इतराना नहीं चाहिए । इसका नाम जिंदगी हेउन्होंने बताया कि सुख आए तो अकेले उसका सुख नहीं भोगना चाहिए सबके साथ बांटने का प्रयास करना,और किसी पर दुख आए तो उसे अकेले नहीं छोड़ना चाहिए कुछ उसका दुख बटाने का प्रयास करना चाहिए ।

सिंधी कालोनी में सात दिवसीय भागवत कथा

कठोर तपस्या के बाद जिस भक्त का रिश्ता भगवान के चरणों से हो जाता है फिर दुनिया में कोई भी उस भक्त का रास्ता नहीं रोक सकता-संत गोविन्द जाने

सीहोर(निप्र)। ईश्वर की आराधना तो सब ही करते हैं, लेकिन भक्ति में इतना दम पैदा करें कि इंसान द्वारा की जाने वाली हर क्रिया साधना बन जाए और पावन मन से परमपिता परमेश्वर का इस तरह सुमिरन करें कि परमात्मा भक्त से की जाने वाली भक्ति से प्रसन्न होकर उसे अपने चरणों में स्थान दे दें तथा वह परम भक्त भगवान शरण की कृपा का पात्र बन जाए। कठोर तपस्या के बाद जिस भक्त का रिश्ता भगवान के चरणों से हो जाता है फिर दुनिया में कोई भी उस भक्त का रास्ता नहीं रोक सकता। उक्त विचार शहर के सिंधी कालोनी मैदान पर जारी सात दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन संत गोविन्द जाने ने कहे। शहर के सिंधी कालोनी में गोदन सरकार सेवा समिति हनुमान मंदिर सीहोर के तत्वाधान में संत गोविन्द जाने के द्वारा संगीतमय सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को भागवत कथा के दूसरे दिन उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा करना चाहिए और सत्मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।कथा की शुरुआत करते हुए कहा कि आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है। जिसकी वजह से आप आज कथा का आनंद ले रहे है। श्रीमद भगवत कथा का रसपान कर पा रहें हैं क्योंकि जिन्हें भगवान प्रदान करते है जितना प्रदान करते है उसे उतना ही मिलता है।

मारवाड़ी महिला संगठन सीहोर शाखा द्वारा मिलेटस कुकिंग प्रतियोगिता

सीहोर (ए)। मारवाड़ी महिला संगठन सीहोर शाखा द्वारा मिलेटस कुकिंग प्रतियोगिता 24 दिसंबर दिन मंगलवार को आयोजित की गई। जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एक से एक स्वादिष्ट व्यंजन बाजरे का खिचड़ा, कपकेक, बाजरे की पपड़ी, हलवा , वेजिटेबल खिचड़ा, बाजरे की पपड़ी,नमकीन व मीठी बनाए गए। व्यंजन सभी स्वादिष्ट और मजेदार बने आज की मीटिंग सदस्य ममता पीतलया द्वारा रखी गई। प्रतियोगिता के पुरस्कार अध्यक्ष रजनी बाहेती द्वारा दिए गए सभी सदस्यों का सचिव मंजू भारतीय द्वारा आभार व्यक्त किया गया, सदस्यों में विशेष योगदान प्रेमलता रुठिया, गीता सोडाणी, संगीता राठी, पुष्पा सोनी, विनीता सोनी, किरण सोनी, शशि विजयवर्गीय, निर्मला व्यास, ज्योति, रुठिया, ज्योति सोनी मोना चौरसिया, राधा शर्मा, इन्दु भावसार, प्रतिभा झवर ने तुलसी जयंती के अवसर पर तुलसी का पौधा देकर संकल्प लिया अतिथियों का स्वागत तुलसी पत्र से किया जाएगा, मिलकर प्रोग्राम को सफल बनाया

केन्द्रीय मंत्री श्रीपद यशो नाइक ने किया प्रदेशाध्यक्ष राकेश राय का सम्मान

सीहोर(निप्र)। कलचुरी समाज के सामाजिक संगठनों के एकीकरण की मुहीम तेलंगना की राजधानी हैदराबाद में अंजाम पर पहुंचती नजर आई। 23 राज्यों से आए कलचुरी समाज के प्रतिनिधियों ने एकीकरण पर सार्थक विचार-मंथन के बाद एक राष्ट्र एक समाज एक झंडा एक विचार' पर अपनी मजबूत सहमति प्रदर्शित की है। इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और कलचुरी एकता महासंघ के मध्य प्रदेश अध्यक्ष राकेश राय सीहोर और कलचुरी एकता महासंघ की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती अर्चना जायसवाल का यहां पर मौजूद केन्द्रीय मंत्री श्रीपद यशो नाइक ने स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष श्री राय ने कहा कि यह समाज के लिए गर्व की बात है कि हैदराबाद में धर्मशाला का भव्य निर्माण किया गया है और आगामी दिनों में समाज के उत्थान और उन्नति के लिए देश की राजधानी दिल्ली में एक लाख समाजजन एकत्रित होंगे और महासभा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे केंद्रीय मंत्री श्रीपद यशो नाइक ने इस पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल अब रुकने वाली नहीं है, बल्कि आने वाले वक्त में और पुख्ता होती जाएगी। उन्होंने कहा कि एकीकरण को लेकर एक बड़ी राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में आयोजित की जानी चाहिए। सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने इस घोषमा का स्वागत करते हुए जोर दिया कि दिल्ली की बैठक श्री नाइक के नेतृत्व में ही होनी चाहिए, जिसे मंत्रीजी ने सहर्ष स्वीकार किया। बता दें कि कलचुरी समाज के सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण की पहल काफी समय से चल रही है लेकिन गत एक वर्ष के भीतर इस दिशा में निर्णायक प्रगति हुई है।

खेती के साथ कुछ व्यवसाय करने का मन है तो सोलर ड्रायर से ये काम बड़ी आसानी से हो सकता है : डॉ. राजकुमार मालवीय

अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती पर सुशासन दिवस मनाया

जावर (निप्र)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल एवं मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में शेखूखेड़ा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को सोलर ड्रायर की तकनीकी जानकारियों से रूबरू करवाया। इस अवसर पर कर्मयोगी जनकल्याण केंद्र जावर द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100 जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार मालवीय ने पूर्व प्रधानमंत्री के द्वारा किये गये नवाचारों एवं जनकल्याणकारी कार्यों को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में सड़कों का जाल हो या स्वर्णिम चतुर्भुज योजना हो या नदी जोड़ो की संकल्पना सब अटल जी की ही देन है। जागरूकता कार्यक्रम को लेकर डॉ. राजकुमार मालवीय ने कहा कि खेती के साथ कुछ व्यवसाय करने का मन है तो सोलर ड्रायर से ये काम बड़ी आसानी से हो सकता है। सोलर ड्रायर से किसान सूखे मसाले, फल बनाकर बाजार में बेच सकते हैं और साथ ही फूलों को सुखाकर अगरबत्ती या परफ्यूम भी बना सकते हैं। सोलर ड्रायर से उत्पादों को सुखाकर, स्टोर किया जा सकता है। हमें आज घरेलू स्तर के उद्यमों के बारे में सोचना चाहिए और सोलर ड्रायर की तकनीक ऐसी है जिसमें आप कई तरह से कमा सकते हैं। अगर आप मैकेनिक हैं तो सोलर ड्रायर बनाकर बेच सकते हैं। अगर आप किसान हैं तो आप सोलर ड्रायर बनवाकर छोटे स्तर पर प्रोसेसिंग शुरू कर सकते हैं। यह हर तरह से फायदेमंद है। आमतौर पर जब किसी फसल की पैदावार अधिक हो जाती है, तो किसानों को उसका सही मूल्य मिलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा भंडारण की उचित व्यवस्था न होने से फसल के खराब होने का भी खतरा रहता है। इससे बचने के लिए सोलर ड्रायर का उपयोग किफायती साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि सोलर ड्रायर मशीन से सब्जियों और फलों को सुखाकर न सिर्फ उसे बचा सकते हैं, बल्कि उनका ऑफ़ सीजन के लिए भंडारण भी कर सकते हैं।

किसान सोलर ड्रायर का उपयोग करके ताजे अंगूरों से किशमिश, सूखे टमाटर के स्ट्रिप्स और सूखे प्याज का उत्पादन करें और ऑफ सीजन में बिक्री भी। इससे उपज का मूल्य बढ़ेगा और फसल तुड़ाई के बाद बर्बादी भी कम होगी। बाजार में कृषि उत्पाद की कीमतों में गिरावट से निपटने के लिए इस पद्धति का उपयोग करके मौजूदा सिस्टम के समानांतर तंत्र विकसित किया जा सकता है। विभिन्न अनुप्रयोगों के लिये विभिन्न प्रकार के सोलर ड्रायर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आलू, अनाज, गाजर और मशरूम जैसे कृषि उत्पादों को सुखाने के लिये किया जा सकता है।कार्यक्रम संयोजक अंशय बड़गुर्जर ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है, यहां हर एक मौसम में किसानों के द्वारा मौसमी फसलों की खेती की जाती हैं। मानसून अच्छा और ख़राब होने की वजह से किसी सीजन में फसल की पैदावार अच्छी हो जाती है तो किसी सीजन में नहीं। ऐसे में किसी सीजन में फसल की पैदावार अच्छी होने के बाद सीजन के आखिर में अमूमन सब्जियों का कुछ हिस्सा बर्बाद हो जाता है। कई बार बाजार में उचित दाम नहीं मिलने पर भी किसान फसल को या तो मवेशी को खिला देते हैं या खेत में ही छोड़ देते हैं।

डीसीए ने यंग स्टार को खिताबी मुकाबले में 21 रन से हराया

वीरु वर्मा और हेमंत केसरिया का आलरांडर प्रदर्शन

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के बीएसआई मैदान पर खेली जा रही स्व. श्री मथुरा प्रसाद केसरिया की स्मृति में टी-20 क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया। बुधवार की सुबह आरंभ हुए इस खिताबी फाइनल मैच में डीसीए ने यंग स्टार को 21 रन से हराया। यंग स्टार को एक ओवर में 31 रन बनाने थे, लेकिन दस रन ही बना सकी। इस खिताबी मुकाबले में टीम के सीनियर खिलाड़ी वीरु वर्मा, हेमंत केसरिया, हेमंत चौरसिया चंदू, कमलेश पारोचे, हितेश केसरिया, यंग स्टार की ओर से हेमंत मोटवानी, संजय पेशवानी, जोगेन्द्र ठाकुर, नीरज मेहरा आदि ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के फाइनल मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी डीसीए ने आसमान पर छाए बादलों के मध्य पिच पर आए वीरु वर्मा ने 17 गेंद पर 27 रन, हेमंत केसरिया ने 22 गेंद पर 22 रन, कमलेश पारोचे ने 12 रन, सुनील जलोदिया ने 24 रन, हितेश केसरिया ने 28 रन और नागेन्द्र व्यास ने 10 रन की पारी खेली। उन्होंने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 155 रन का स्कोर खड़ा किया। इधर यंग स्टार की ओर से गेंदबाजी करते हुए शाहिद, नासिर, नीरज ने एक-एक विकेट और छोटू ने दो विकेट हासिल किए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com